सपा को ऑफिस में चक्कर काटने... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सनी लियोनी ने बताया कैसे की... 11

वर्ष - 01, अंक - 322 | गाजियाबाद / सोमवार 23 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

ओडिशा में ट्रेलर ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर

- 5 जवानों की मौत, 3 जवानों की हालत नाजुक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में रविवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पुलिस की बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पांच पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास सुबह

के समय हुई। पुलिस की बोलेरो ड्यूटी पर थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह पिचक गई, जिससे उसमें सवार पांच कर्मियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले जवानों की पहचान कर ली गई है। पुलिस विभाग ने मृतकों के नाम साझा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर कर्मी काशीराम भोई, एपीआर कर्मी देबदत्त सा, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड भक्तबंधु मिर्धा का निधन हुआ है।

तमिलनाडु-बंगाल से एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिरफ्तार

- हमले की साजिश थी, आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों से कनेक्शन

तिरुप्पुर/नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी

हमले की साजिश रच रहे थे। संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं। इन लोगों ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थीं। 3 आरोपियों को उथुकुली, 3 को पल्लादम और एक आरोपी तिरुमुरुगनपोंडी से पकड़ा गया। ये सभी फर्जी आधार कार्ड के जरिए पहचान छिपाकर तिरुप्पुर में गारमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक तमिलनाडु से गिरफ्तार 6 संदिग्धों पर आतंकियों की मदद के लिए शहरों की रेकी का आरोपी है।

भारत और अमेरिकी सेना के बीच 'वज्र प्रहार'

दोनों देशों के बीच आज से शुरू होगा संयुक्त सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच मजबूत साझेदारी तथा साझा संकल्प को सुदृढ़ करने की भावना के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास 'वज्र प्रहार' होने वाला है। यह सैन्य अभ्यास का 16वां संस्करण है जो सोमवार से हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित स्पेशल फोर्स ट्रेनिंग स्कूल में शुरू होगा।

भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच मजबूत साझेदारी तथा साझा संकल्प को सुदृढ़ करने की भावना के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास 'वज्र प्रहार' होने वाला है। यह सैन्य अभ्यास का 16वां संस्करण है जो सोमवार से हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित स्पेशल फोर्स ट्रेनिंग स्कूल में शुरू होगा। यह उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय अभ्यास जटिल परिचालन माहौल में परस्पर कार्यक्षमता, सामरिक समन्वय और युद्धक तत्परता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है और यह 15 मार्च तक चलेगा। सेना ने शनिवार को इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। इसमें कहा गया कि यह अभ्यास रक्षा सहयोग को गहरा करने, परस्पर कार्यक्षमता और संयुक्त परिचालन तत्परता को बढ़ाने तथा उन्नत विशेष अभियानों की रणनीतियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान के लिए तैयार किया गया है। कठोर और यथार्थपरक परिदृश्यों में प्रशिक्षण के माध्यम से दोनों दल आपसी विश्वास और परिचालन समन्वय को मजबूत करेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग को प्रोत्साहित करना

पोस्ट में कहा गया है कि इसका उद्देश्य श्रेष्ठ साझेदारियां स्थापित करना और साझा संकल्प को सुदृढ़ करना है। एक वीडियो में इस अभ्यास को सामरिक दक्षता का शिखर बताते हुए दोनों देशों के सैनिकों को विभिन्न चरणों में उच्च-तीव्रता वाले अभ्यासों में भाग लेते हुए दिखाया गया है। अभ्यास 'वज्र प्रहार' का 15वां संस्करण नवंबर 2024 में अमेरिका के इडाहो स्थित ऑर्चर्ड कॉम्बैट ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित किया गया था। इससे पहले जारी एक बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि इस संयुक्त सैन्य अभ्यास का उद्देश्य विशेष अभियानों की रणनीतियों के आदान-प्रदान, संयुक्तता और परस्पर कार्यक्षमता को बढ़ाकर भारत और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग को प्रोत्साहित करना है। मंत्रालय ने कहा था कि यह अभ्यास संयुक्त विशेष बल अभियानों के संचालन में संयुक्त क्षमताओं को सुदृढ़ करेगा। अभ्यास में उच्च स्तर की शारीरिक क्षमता, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यासों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।'वज्र प्रहार' अभ्यास दोनों पक्षों को संयुक्त विशेष बल अभियानों के संचालन के लिए अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का अवसर देगा।

एसआईआर में तेजी लाने ऐक्शन में कलकत्ता हाईकोर्ट

- जजों की छुट्टियां रद्द, बंगाल सरकार-ईसी में टकराव जारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़े मामलों में तेजी लाने के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। हाईकोर्ट ने 21 फरवरी से लेकर 9 मार्च तक सभी जिला और सत्र न्यायालयों के न्यायाधीशों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक इस अवधि में बिना हाई कोर्ट की पूर्व

अनुमति के कोई भी नई छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी। इतना ही नहीं अभी जो न्यायाधीश अवकाश पर हैं, उन्हें भी तुरंत लौटने का आदेश दे दिया गया है। राज्य में में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटारे के उद्देश्य से हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई।

पीएम मोदी का मेरठ से 'चुनावी शंखनाद'

सीएम योगी की पीठ थपथपाई, कांग्रेस समेत विपक्ष पर बोला हमला

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ से पीएम नरेंद्र मोदी ने यूपी चुनाव 2027 का एक प्रकार से प्रचार अभियान का शंखनाद कर दिया। पीएम मोदी ने पहले आरआरटीएस के मेरठ से दिल्ली के संपूर्ण कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही, मेरठ मेट्रो को भी हरी झंडी दिखाई। सीएम योगी की तारीफ की। इसके बाद मेरठ साउथ स्टेशन के पास मोहिउद्दीनपुर में आयोजित जनसभा में चुनावों का जिक्र किया। दरअसल, पीएम मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में पहली बार उत्तर प्रदेश में उन्होंने मेरठ से

ही चुनावी अभियान का आगाज किया था। इसलिए, मेरठ से उन्होंने अपना पुराना नाता जोड़ा।

मिशन 2027 यूपी चुनाव का टोन सेट

पीएम नरेंद्र मोदी ने मेरठ की जनसभा से यूपी चुनाव 2027 का टोन एक प्रकार से सेट कर दिया। प्रदेश में विकास कार्यक्रम और दमदार नेतृत्व की चर्चा पीएम मोदी करते दिखे। पीएम ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आने वाले समय में हम इस लक्ष्य को हासिल करेंगे। साथ ही, कानून-व्यवस्था के मसले पर भी उन्होंने सीएम योगी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में किसी भी बहन-बेटी को छेड़ने वाला बच नहीं सकता है। भयमुक्त समाज के निर्माण के लिए सीएम योगी ने काफी काम किया है। पीएम मोदी का यह बयान साफ करता है कि यूपी चुनाव 2027 में भाजपा दमदार नेतृत्व, कानून व्यवस्था से लेकर विकास योजनाओं तक को प्रमुखता के साथ उठाती दिखेगी।

विकास से ट्रेड एग्रीमेंट तक का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान पश्चिमी यूपी में चल रही विकास योजनाओं का जिक्र किया। दरअसल, आने वाले समय में मेरठ से प्रयागराज के बीच बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण होना है। इसके अलावा पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से लेकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे तक पश्चिमी यूपी की तस्वीर बदलने में मदद करेंगे। पिछले दिनों गंगा एक्सप्रेसवे नोएडा एयरपोर्ट लिंक एक्सप्रेसवे, नोएडा मेट्रो एक्सटेंशन प्रोजेक्ट जैसे अहम परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। इन तमाम विकास कार्यक्रमों का जिक्र पीएम ने भाषण में किया। विकास को उन्होंने रोजगार से जोड़ा।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में जैश के दो आतंकी ढेर

सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने को कर दिया ब्लास्ट

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। सेना के मुताबिक आधिकारियों ने 2 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी।

ऑपरेशन 'किया' के तहत सेना की कार्रवाई

व्हाइट नाइट कोर ने 4 फरवरी को सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि जेके डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ का यह जॉइंट ऑपरेशन चलाया था। इलाके की घेराबंदी की गई। इसे ऑपरेशन किया नाम दिया गया। मुठभेड़ 3 फरवरी की शाम 4 बजे शुरू हुई थी। आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर जाकर छिप गया। शाम करीब 7.30 बजे आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गुफा से बाहर निकलने की कोशिश की।

कांग्रेस पहले से नंगी, कपड़े उतारने की क्या जरूरत

एआई शिखर सम्मेलन में विरोध पर बरसे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मेरठ की क्रांतिकारी धरती से कांग्रेस पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। दिल्ली में आयोजित वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि विदेशी मेहमानों की मौजूदगी में कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, देश जानता है कि कांग्रेस वाले वैचारिक रूप से पहले से नंगे हैं, फिर उन्हें दुनिया के सामने कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने जो किया, वह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी

पार्टी वैचारिक रूप से पूरी तरह दिवालिया और दरिद्र हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ आज देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए काम कर रहे हैं लेकिन देश में ही कुछ राजनैतिक दल हैं जो भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ, दुनिया भर के 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि दिल्ली आए... पूरा देश गर्व से भर गया लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया।

कांग्रेस की रीति-नीति की थू-थू हो रही

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है, ये मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, मेरी मां को गाली देने से इन्हें कोई परहेज नहीं है, उन्हें भाजपा, एनडीए से विरोध है, लेकिन कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि एआई ग्लोबल समिट यह भाजपा का समारोह नहीं था और न ही भाजपा का कोई नेता वहां मौजूद था। यह देश का, देश के सम्मान का कार्यक्रम था लेकिन कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तोड़ दी। पूरे देश में कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू हो रही है लेकिन दुर्भाग्य देखिए इतनी पुरानी पार्टी के नेता लाजने की बजाय गाजते हैं। देश की बेइज्जती करने वालों का जयकारा कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की इन हरकतों का मामला लगातार चल रहा है। इन्होंने संसद में क्या किया। संसद में खुद कुछ नहीं कर पा रहे तो अपने साथी दलों को भी बोलने का मौका नहीं देते, संसद चलने नहीं देते। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है। दिल्ली में जो उन्होंने यह नंगा पन दिखाया उससे उनके सारे साथी दल चौंक गए हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ ऐक्शन में पुलिस

- कोर्ट का आदेश होते ही पॉक्सो में केस दर्ज, यौन शोषण का है आरोप

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज की कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद ब्रह्मचारी और तीन अज्ञात के खिलाफ झूंसी थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। एफआईआर में नाबालिगों के यौन शोषण और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने शनिवार देर रात ही यह कार्रवाई पूरी की। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर पुलिस फास्ट हो गई है। शंकराचार्य के खिलाफ कोर्ट के आदेश देने के कुछ घंटे बाद ही पॉक्सो एक्ट में झूंसी थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। एफआईआर में अविमुक्तेश्वरानंद को नामजद करते हुए नाबालिग बच्चों के साथ यौन शोषण और धमकाने का आरोप लगाया गया है। अविमुक्तेश्वरानंद के साथ ही उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी और तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। न्यायालय ने आशुतोष ब्रह्मचारी के प्रार्थना पत्र शनिवार को अविमुक्तेश्वरानंद व अन्य पर केस दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बाद शनिवार की ही देर रात झूंसी थाने में केस रजिस्टर्ड कर लिया गया।

विशेष न्यायाधीश ने दिया पॉक्सो एक्ट में केस का आदेश

प्रयागराज के विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया ने आशुतोष ब्रह्मचारी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद शनिवार को शंकराचार्य के खिलाफ केस का आदेश दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आशुतोष ब्रह्मचारी के प्रार्थना पत्र, पीड़ित ए व पीड़ित बी के बयान, स्वतंत्र गवाहों के बयान और प्रयागराज के एडीशनल पुलिस कमिश्नर की जांच रिपोर्ट को ध्यान से और पूरी तरह से देखने पर यह पता चलता है कि आरोपियों पर पीड़ित ए व पीड़ित बी के साथ ही दूसरों से यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं।

बिहार में नर्सिंग स्टाफ की कमी बहुत जल्द होगी दूर

- हर जिले में खोले जाएंगे जीएनएम और पारा मेडिकल कॉलेज, प्रमंडल में एएनएम

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी को दूर करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने निर्णय लिया है कि राज्य के सभी 9 प्रमंडलों में एक-एक एएनएम प्रशिक्षण

संस्थान, सभी जिलों में एक-एक जीएनएम संस्थान खोले जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक जिले में एक पारा मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की भी योजना है। सात निश्चय-तीन के तहत इस महत्वाकांक्षी योजना को वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू करने का निर्णय लिया गया है। लक्ष्य है कि एक वर्ष के भीतर इन संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि जल्द से जल्द प्रशिक्षण कार्य शुरू हो सके।

'सुप्रीम' फैसले के बाद लटक गई 'ट्रेड डील'

भारत और अमरीका के बीच नए सिरे से होगी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट से टैरिफ को लेकर डोनाल्ड ट्रंप को करारा झटका लगने के बाद भारत के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रस्तावित बैठक को भी नए सिरे से तय करने का फैसला किया गया है। भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते के प्रारूप को अंतिम रूप देने के लिए वाशिंगटन में अपने मुख्य वार्ताकारों की प्रस्तावित बैठक को नए सिरे से तय करने का फैसला किया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। भारतीय दल 23 फरवरी से तीन दिन की बैठक शुरू करने वाला था। वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव दर्पण जैन इस समझौते के लिए भारत के लिए मुख्य वार्ताकार हैं। एक सूत्र ने कहा,भारत-

अमेरिका व्यापार करार के लिए भारतीय वार्ताकारों की अमेरिका यात्रा के संदर्भ में दोनों पक्षों का मानना है कि अब यह बैठक तब होनी चाहिए जबकि दोनों पक्ष ताजा घटनाक्रमों और उसके प्रभाव का आंकलन कर लें। इसके लिए दोनों पक्षों को समय चाहिए। अब इस बैठक की तारीख दोनों पक्षों की सुविधा के हिसाब से नए सिरे से तय की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पहले के बड़े शुल्क के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण हो जाता है। ट्रंप ने शुक्रवार को भारत समेत सभी देशों पर 24 फरवरी से 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था।

ट्रंप के आर्थिक एजेंडा को लगा एक बड़ा झटका

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में उनके आर्थिक एजेंडा को एक बड़ा झटका देते हुए अमेरिकी शीर्ष अदालत ने उनके द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए शुल्कों को गैरकानूनी करार दिया है। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक अधिकार कानून (आईईईपीए) का इस्तेमाल करके अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है। अमेरिका ने अगस्त, 2025 में भारत पर 25 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया था। बाद में, रूस से कच्चा तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया। इससे भारत पर कुल शुल्क दर 50 प्रतिशत हो गई थी। भारत और अमेरिका इस महीने की शुरुआत में एक अंतरिम व्यापार करार को अंतिम रूप देने के लिए रूपरेखा पर सहमत हुए। इसके तहत अमेरिका शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत करेगा।

उर्दू परिषद की बैठक न होने पर जताई चिंता, त्वरित कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसे शीघ्र सक्रिय करने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष डॉ. सैयद अहमद खान ने कहा कि उर्दू के प्रचार-प्रसार से जुड़े महत्वपूर्ण प्रकल्प लंबे समय से लंबित हैं, जिससे साहित्यिक और शैक्षणिक वर्गों में बेचैनी का माहौल है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त उत्तर के बावजूद दो वर्षों में परिषद की एक भी नियमित बैठक आयोजित नहीं होना अत्यंत चिंताजनक है। डॉ. सैयद अहमद खान ने कहा कि उर्दू भाषा और साहित्य के विकास के लिए बनाई गई योजनाएं, वित्तीय सहायता, प्रकाशन परियोजनाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम तभी प्रभावी हो सकते हैं, जब परिषद व्यावहारिक रूप से सक्रिय रहे। उन्होंने सरकार और संबंधित मंत्रालय से शीघ्र हस्तक्षेप की अपील करते हुए बैठकों का नियमित आयोजन सुनिश्चित करने, वित्त समिति का गठन करने और लंबे समय से लंबित प्रस्तावों को जल्द मंजूरी देने की मांग की, ताकि देश में उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार का कार्य प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सके।

अचानक गर्मी का प्रकोप हार्ट के लिए घातक : कालरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में अचानक गर्मी व प्रदूषण के चलते लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जरा सी लापरवाही घातक हो सकती है। यह जानकारी आज एक कार्यक्रम में कालरा अस्पताल के हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आर एन कालरा ने दी। डॉक्टर कालरा का कहना है कि दिल्ली में गर्मी के साथ वायु प्रदूषण का कहर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। ऐसे में जरा सी लापरवाही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती हैं। डॉक्टर कालरा का कहना है कि हार्ट रोगी व मधुमेह रोगी को इस मौसम में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जब घर से निकले तो, मुंह में मास्क लगाकर निकले और अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच कराये। डॉक्टर कालरा का कहना है कि गर्मी के मौसम में उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगो को अपने खान-पान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। अगर चलने- फिरने में और सांस लेने में दिक्कत हो, बैचेनी के साथ घबराहट हो तो, निश्चित रूप से अपने स्वास्थ्य की जांच कराये। क्योंकि गर्मी में उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों को हार्ट रोग के लक्षण ज्यादा पाए जाते हैं इसलिए हार्ट की भी जांच करते रहें डॉक्टर कालरा का कहना कि गर्मी खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

स्वामी श्रद्धानंद का 170वां जन्मोत्सव श्रद्धा के साथ मनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्भीक संन्यासी स्वामी श्रद्धानंद का 170वां जन्मोत्सव आर्य समाज दीवान हाल, स्वामी श्रद्धानंद स्मारक टाउन हॉल और विभिन्न आर्य संस्थाओं द्वारा श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद ने रॉलेट एक्ट का विरोध करते हुए चांदनी चौक से अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा और राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने जामा मस्जिद के मंच से देश की एकता का संदेश देकर सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य के महासचिव डॉ. मुकेश आर्य ने गुरुकुल शिक्षा के प्रसार, दलितोद्धार और स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी श्रद्धानंद के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पश्चिमी दिल्ली वेद प्रचार मंडल के मंत्री राकेश आर्य, रोहिणी मंडल के प्रधान सुरेंद्र आर्य और दीवान हाल के मंत्री विनीत बहल सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आर्यजन उपस्थित रहे। इस दौरान सर्वमंगल यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसे डॉक्टर कपिल देव वेदालंकार ने संपन्न कराया।

जहांगीरपुरी में सीवर जाम से हालात गंभीर, शीघ्र कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहांगीरपुरी क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो की समस्या लगातार विकराल होती जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आई एवं जे ब्लॉक के अध्यक्ष और जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम.एल.भास्कर ने बताया कि क्षेत्र की अधिकांश गलियों में सीवर की समुचित निकासी नहीं होने से गंदा पानी सड़कों पर भरा रहता है और आसपास गंदगी फैल रही है। एम. एल. भास्कर के अनुसार इस समस्या को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन दो से तीन दिनों तक भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, जिससे स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से आई और जे ब्लॉक में हालात अत्यंत चिंताजनक हैं और बदबू तथा गंदगी के कारण लोगों को आवागमन में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सीवर जाम होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने का खतरा भी बना हुआ है, जिससे क्षेत्र में बीमारियां फैलने की आशंका है। स्थानीय निवासियों में इसको लेकर रोष है और वे शीघ्र समाधान की मांग कर रहे हैं। एम. एल. भास्कर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों तथा क्षेत्रीय विधायक से अपील की है कि समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर प्रभावित गलियों की सीवर लाइनों की व्यापक सफाई कराई जाए और जल निकासी की व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए, ताकि लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।

श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय का 48वां वार्षिकोत्सव गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजौरी गार्डन स्थित सरस्वती बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय का 48वां वार्षिकोत्सव अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। रंग-बिरंगी सजावट, पारंपरिक वेशभूषा और वैदिक मंत्रोच्चार से सुसज्जित कार्यक्रम भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं का जीवंत उदाहरण बना, जिसमें 'अनेकता में एकता' की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति कमल कुमार गुप्ता ने की, जबकि विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिन्द पराडे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ केवल धार्मिक नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाले आदर्श ग्रंथ हैं और विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी अपनाना चाहिए। मुख्य अतिथि के रूप में संजय सिंघल, स्वागताध्यक्ष कौशल कोठारी और सानिध्य मांगी लाल पारीक उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्रधान रवीन्द्र गुप्ता और प्राचार्य डॉ. जय प्रकाश शर्मा की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों का तिलक, पुष्पमाला और स्मृति-चिह्न देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण से हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संस्कृत नाटक, योग की सामूहिक प्रस्तुति, भावपूर्ण गीत, सामूहिक गान और हनुमान जी के भजन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 'महिषासुरनी' गीत की जोशीली प्रस्तुति और भोलेनाथ पर आधारित नृत्य-नाटिका ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'प्रबोधिनी' का लोकार्पण भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा का सुंदर संकलन प्रस्तुत किया गया। अंत में प्राचार्य डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक चेतना का विकास करते हैं। यह वार्षिकोत्सव शिक्षा और संस्कृति के समन्वय का प्रेरक पर्व सिद्ध हुआ।

जनभावनाओं और स्थानीय पहचान के अनुरूप तय हुए मेट्रो स्टेशनों के नाम: रेखा गुप्ता

-12 नाम यथावत, 7 में संशोधन और 2 स्टेशनों के नामों में बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 22 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली मेट्रो के प्रस्तावित स्टेशनों के नामों को लेकर राज्य नाम प्राधिकरण ने व्यापक समीक्षा के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में 21 स्टेशनों के नामों पर विचार करते हुए 12 नाम यथावत रखने, सात में संशोधन करने और दो स्टेशनों के नाम पूरी तरह बदलने को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो स्टेशन केवल आवागमन के केंद्र नहीं होते, बल्कि वे संबंधित क्षेत्र की पहचान, इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को भी दर्शाते हैं। इसलिए प्रत्येक नाम पर स्थानीय जनभावनाओं, भौगोलिक स्पष्टता तथा जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखकर अंतिम निर्णय लिया गया है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार का भ्रम न हो।

उन्होंने बताया कि जिन स्टेशनों के नाम यथावत रखे गए हैं उनमें मजलिस पार्क, भलस्वा, हैदरपुर बादली मोड़, दीपाली चौक, यमुना विहार, भजनपुरा, खजूरी खास, सूरघाट, झड़ौदा माजरा, बुराड़ी, पुष्पांजलि और मौजपुर-बाबरपुर शामिल हैं। इन नामों को विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन में सुझाए गए स्वरूप में ही स्वीकार किया गया है।

संशोधित नामों में उत्तरी पीतमपुरा-प्रशांत विहार, जगतपुर-वजीराबाद, नानक प्याऊ-डेरावल नगर, खानपुर-वायुसैनाबाद, नानकसर-सोनिया विहार, श्री राम मंदिर मयूर विहार तथा मंगोलपुर कलां-वेस्ट एन्क्लेव शामिल हैं। इन नामों में आसपास के प्रमुख क्षेत्रों को जोड़कर दिशा संबंधी स्पष्टता बढ़ाने का प्रयास किया गया है, जिससे यात्रियों को स्थान पहचानने में सुविधा होगी।

दो स्टेशनों के नाम पूरी तरह परिवर्तित किए गए हैं। नॉर्थ पीतमपुरा का नाम बदलकर हैदरपुर गांव तथा एक अन्य स्टेशन का नाम मधुबन चौक रखा गया है, ताकि स्थानीय पहचान को अधिक सटीक रूप से प्रदर्शित किया जा सके।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राज्य नाम प्राधिकरण ने प्रत्येक प्रस्ताव का तथ्यात्मक परीक्षण और विस्तृत चर्चा के बाद ही निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि किसी क्षेत्र से जनहित और तर्कसंगत आधार पर प्रस्ताव प्राप्त होता है तो निर्धारित नियमों के तहत उस पर विचार किया जाएगा।

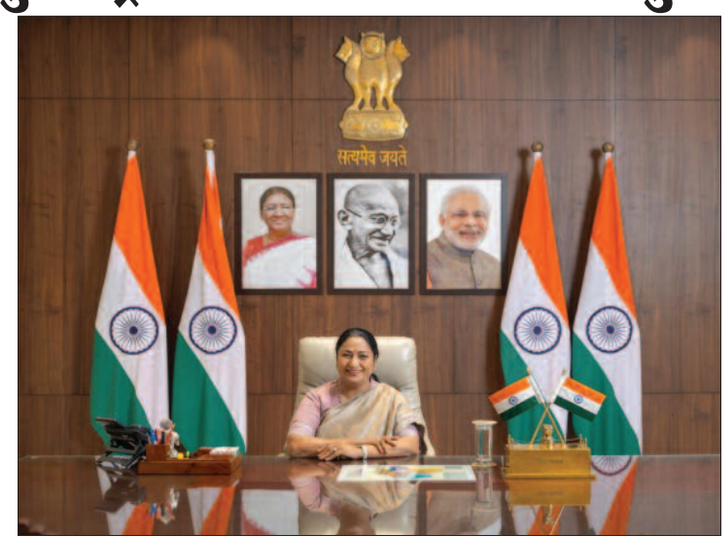

नमो भारत' से बदलेगी दिल्ली की रफ्तार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी का जताया आभार

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नमो भारत को बताया दिल्लीवासियों के लिए 'अमूल्य उपहार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को 'नमो भारत' रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत की पहली 'नमो भारत' आरआरटीएस सेवा का उद्घाटन और संपूर्ण दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया जाना, दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह परियोजना न केवल आधुनिकतम तकनीक पर आधारित है, बल्कि दिल्लीवासियों की यात्रा को तेज, सुरक्षित और अत्यंत आरामदायक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर देश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और दिल्ली को मिली यह सौगात हम सभी के लिए गर्व और आनंद का विषय है। यह अत्याधुनिक 'नमो भारत' कॉरिडोर, जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से मेरठ तक फैला है, प्रतिदिन सैकड़ों हजारों यात्रियों को तेज और विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इससे यात्रियों के लिए यात्रा समय में भारी कटौती होगी और प्रतिदिन आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक होगा। साथ ही, सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या कम होने के कारण ट्रैफिक जाम में कटौती होने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का परिवहन क्षेत्र को लेकर विजन स्पष्ट रूप से एकीकृत, आधुनिक और सतत विकास पर आधारित है। उनका लक्ष्य केवल सड़क, रेल, मेट्रो या हवाई सेवाओं का विस्तार भर नहीं, बल्कि मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के माध्यम से देश के हर क्षेत्र को तेज, सुरक्षित और किफायती परिवहन नेटवर्क से जोड़ना है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक्सप्रेसवे, सेमी-हाई स्पीड रेल, वंदे भारत ट्रेनें, मेट्रो विस्तार, अंतर्देशीय जलमार्ग और रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट्स पर तेज गति से काम हुआ है। उनका दृष्टिकोण 'समय की बचत, ईंधन की बचत और प्रदूषण में कमी' के सिद्धांत पर आधारित है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को गति मिले और आम नागरिक को बेहतर यात्रा अनुभव प्राप्त हो। यह विजन विकसित भारत के निर्माण में परिवहन अवसंरचना को मजबूत आधारशिला के रूप में स्थापित करता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते जनसंख्या दबाव और आवागमन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना का दिल्ली के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। 'नमो भारत' कॉरिडोर हमारी राजधानी की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को एक नई ऊर्जा देगा और यात्रियों का समय व संसाधन दोनों बचाएगा। इस परियोजना की सफलता को देश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का प्रमुख उदाहरण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा, रोजगार के अवसरों को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय समग्र विकास को नई गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल्ली की ओर से गहन धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल दिल्ली के लोगों के लिए अमूल्य उपहार है, जिसकी उपस्थिति आने वाली पीढ़ियों के लिए आधारभूत परिवर्तनकारी कदम साबित होगी।

पांच वर्षों में दिल्ली को मिली 2678 नई बसें, प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को सशक्त बनाने की दिशा में पिछले पांच वर्षों में 2678 नई बसें जोड़ी गई हैं। यह जानकारी नोएडा निवासी समाजसेवी डॉ. रंजन तोमर द्वारा दायर सूचना के अधिकार आवेदन के जवाब में दिल्ली परिवहन निगम की ओर से सामने आई है। निगम के अनुसार शामिल की गई बसों में 161 सीएनजी और 2517 विद्युत बसें हैं, जिन्हें विभिन्न कंपनियों से खरीदा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बढ़ते प्रदूषण और यातायात दबाव को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन का विस्तार आवश्यक माना जा रहा है। विशेष रूप से विद्युत बसों की संख्या अधिक होने से प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अधिक संख्या में स्वच्छ ऊर्जा आधारित बसों के संचालन से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। डॉ. रंजन तोमर ने कहा कि दिल्ली में बसों की संख्या बढ़ाना सकारात्मक पहल है, लेकिन शहर की बढ़ती आबादी और यात्रियों की जरूरतों को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन को और विस्तार देने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में जो भी बसें जोड़ी जाएं वे पूरी तरह विद्युत आधारित हों, ताकि प्रदूषण में ठोस कमी लाई जा सके। उन्होंने नोएडा की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वहां सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था लगभग नगण्य है। करोड़ों रुपये की लागत से बना बस टर्मिनल उपयोग के अभाव में निष्क्रिय पड़ा है, जबकि सड़कों पर जाम और यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रहे नोएडा को इस मामले में दिल्ली से सीख लेते हुए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। डॉ. तोमर ने कहा कि सुव्यवस्थित और सुलभ सार्वजनिक परिवहन न केवल यातायात समस्या का समाधान है, बल्कि स्वच्छ और टिकाऊ शहरी विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

सांस रहेगी तो जनसेवा जारी रखूंगा : परमानन्द शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी परमानन्द शर्मा ने कहा कि जब तक उनके शरीर में सांस है, तब तक वे जनसेवा करते रहेंगे और जरूरतमंद लोगों की मदद करते रहेंगे। उन्होंने यह भावुक बातें अपने कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह के दौरान कहीं। यह कार्यक्रम उनके जन्मदिन के अवसर पर मुहीम संस्था द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें अशोक चोपड़ा का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योग गुरु रामनिवास शर्मा ने की। समाजसेवी बुधराम त्यागी ने परमानन्द शर्मा की उदारता और समाज के प्रति उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कई प्रसंग साझा किए। योग गुरु रामनिवास शर्मा ने भी उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। मुहीम संस्था के अध्यक्ष अश्वनी भारद्वाज ने कहा कि परमानन्द शर्मा नेक दिल इंसान हैं और उनके पास पहुंचने वाले हर जरूरतमंद की यथासंभव सहायता करते हैं। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष प्रताप शर्मा, मुकेश पांचाल, मांगेराम भारद्वाज, सतदेव शर्मा, योगेश शर्मा, जोगिन्द्र कौशिक, पारस शर्मा, दीपक शर्मा, नवीन चंद्रा, मोनी सबरवाल, सगीर हसन, योगेश ठाकुर, अन्ने भाई, जवाहर सिंह कुशवाह, सोनू बजाज, योगेश्वर दत्त, संजय नरुला, महावीर पांचाल, धर्मपाल सिंह और रवि गौतम सहित मुहीम संस्था के अनेक सदस्य मौजूद रहे और सभी ने परमानन्द शर्मा व अशोक चोपड़ा को शुभकामनाएं दीं। एक अन्य कार्यक्रम में युवा समाजसेवी विकास शर्मा, रेखा खन्ना, हरपाल सिंह और सुषमा डबकू सहित कई गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर परमानन्द शर्मा के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

प्रधानमंत्री ने एक ही परियोजना का कई बार उद्घाटन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया : सौरभ

-दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस के बार-बार उद्घाटन पर आप का हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के बार-बार उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक ही परियोजना का कई बार उद्घाटन कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि वर्ष 2019, 2023, 2024, पांच जनवरी 2025 और अब 22 फरवरी 2026 को भी दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर से जुड़े हिस्सों का उद्घाटन किया गया। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या प्रधानमंत्री के पास कोई नया काम नहीं है या उनका वास्तविक काम कोई और कर रहा है? उन्होंने कहा कि आठ मार्च 2019 को लोकसभा चुनाव से पहले इस कॉरिडोर और मेरठ मेट्रो की आधारशिला रखी गई थी। इसके बाद 20 अक्तूबर 2023 को आरआरटीएस के एक हिस्से का उद्घाटन कर उसे हरी झंडी दिखाई गई। मार्च 2024 मं लोकसभा चुनाव से पहले फिर से परियोजना को देश को समर्पित किया गया और पांच जनवरी 2025 को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर उद्घाटन हुआ और अब 22 फरवरी 2026 को शेष हिस्सों का उद्घाटन किया गया। आप नेता ने कहा कि दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस एक संयुक्त परियोजना है, जिसे केंद्र, दिल्ली सरकार और संबंधित राज्य सरकारों ने मिलकर वित्त पोषित किया है। इसके बावजूद एक ही परियोजना के अलग-अलग चरणों को बार-बार उद्घाटन के रूप में पेश किया जा रहा है।

भजनपुरा में विराट हिंदू सम्मेलन, समाज एकता पर दिया गया बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भजनपुरा डी-ब्लॉक में विराट हिंदू सम्मेलन श्रृंखला के अंतर्गत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में हिंदू समाज के प्रतिनिधियों, माताओं-बहनों और युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक श्रीदत्त शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्र निर्माण में भूमिका और उसके सौ वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला, जबकि विभाग संघचालक अरुण जी ने 'पंच परिवर्तन' विषय पर अपने विचार रखे। सह जिला कार्यवाह ब्रह्मपुरी नीरज ने समाज परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें सामाजिक जागरण का आधार बताया। जिला विद्यार्थी कार्यप्रमुख ब्रह्महपुरी अभिषेक ने 'हिंदुत्व' विषय पर बौद्धिक प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में माताओं-बहनों और बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर कमलेश उपाध्याय, जयप्रकाश शर्मा, हरवंश शर्मा, केसरी प्रसाद शर्मा, अजय शर्मा, जितेंद्र चतुर्वेदी, प्रमोद, राजेश भाटी, प्रफुल्ल, विनय शर्मा, परमानन्द शर्मा, बृजेंद्र चतुर्वेदी, पार्षद श्रीमती रेखा रानी, बिजेंद्र प्रधान, ठाकुर विनोद जायस सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चार मंजिला मकान में लगी आग, सिलिंडर फटा, 14 लोग झुलसे

-आदर्श नगर स्थित मजलिस पार्क में हुआ हादसा, क्राइम और एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आदर्श नगर स्थित मजलिस पार्क में रविवार सुबह चार मंजिला इमारत में आग लग गई। आग ने पहली और दूसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही कि हादसे के बाद वहां मौजूद सभी लोग सुरक्षित निकल गए।

पुलिस के अलावा दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। आग पर काबू पाने का काम चल ही रहा था कि अचानक ग्राउंड फ्लोर की पार्किंग में रखा एलपीजी सिलिंडर फट गया। बचाव कार्य में जुटे पुलिस व दमकल कर्मियों के छह जवानों के अलावा आठ अन्य लोग झुलस गए। धमाके के बाद कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। एंबुलेंस की मदद से झुलसे हुए लोगों को नजदीकी मैक्स और बाबू जगजीवन राम अस्पताल भेजा गया। बाद में सभी को सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। हताहतों में दो की हालत नाजुक बनी हुई है।

सूचना मिलने के बाद क्राइम व एफएसएल की टीम भी पहुंची। बताया जा रहा है कि ग्राउंड फ्लोर पर बनी पार्किंग से आग लगी। इसकी चपेट में आकर शीशों के बॉक्स और स्कूटी जल गए। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पश्चिम जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि रविवार सुबह करीब 9.01 बजे पुलिस और दमकल विभाग को सूचना मिली कि मजलिस पार्क, गली नंबर-6 की एक इमारत में आग लगी है। यहां सी-45, 111 गज के चार मंजिला मकान में रमेश गोयल, दीपक गोयल और रवि गोयल रहते हैं। अचानक निकले आग के गोले की चपेट में आदर्श नगर थाने के एएसआई संदीप, सिपाही राहुल, पीसीआर में तैनात एएसआई प्रेमपाल, दमकल कर्मी वेद प्रकाश, सुरेश बहल, सीताराम मीणा आ गए। वहीं विशाल, दीपक गोयल, शेर सिंह, राजेश और जगदीप सिंह, राहुल, पंकज अग्रवाल और पूरनचंद झुलस गए। शुरुआती जांच के बाद पता चला है कि पार्किंग में रखे पानी के मोटर से चिंगारी निकली और उसकी वजह से आग लगी। पुलिस आग की वजहों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में बाजार संघों की भागीदारी, किदवई नगर में पौधारोपण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने रविवार को किदवई नगर (पूर्व) स्थित एनबीसीसी टॉवर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का नेतृत्व किया। साउथ मार्केट किदवई नगर वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय दुकानदारों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से प्रेरित है, जिसके तहत नागरिकों को अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाने और हरित भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में एसोसिएशन के चेयरमैन सोम दत्त छिब्बर, जसबीर सिंह, विपल कुमार, राज कुमार शर्मा, अध्यक्ष सुशील कुमार गांधी, उपाध्यक्ष कमल कपूर, हरिओम गुप्ता, अजय कुमार रावत तथा महासचिव सुनील दत्त छिब्बर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। परिषद के क्षेत्रीय कर्मचारियों ने भी पौधारोपण में सहयोग दिया।

कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारी का प्रतीक है। बाजार में लगाए गए प्रत्येक पौधे को दुकानदारों द्वारा गोद लिया जाना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि परिषद ने वर्ष भर के लिए हरित कैलेंडर तैयार किया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक रविवार अलग-अलग क्षेत्रों में वैज्ञानिक पद्धति से पौधारोपण, उनकी देखभाल और निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने व्यापार सुगमता से जुड़े परिषद के निर्णयों की सराहना की। परिषद की बैठक में यह तय किया गया है कि जिन कारोबारियों के पास खाद्य सुरक्षा पंजीकरण या वस्तु एवं सेवा कर पंजीकरण है, उन्हें अलग से स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। व्यापारियों का कहना है कि इस निर्णय से समय और खर्च की बचत होगी तथा अनावश्यक कागजी प्रक्रिया कम होने से पारदर्शिता बढ़ेगी।

मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने अभियान को जनआंदोलन बताते हुए कहा कि यह केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि माताओं के प्रति सम्मान और पर्यावरण के प्रति कर्तव्य का प्रतीक है। उन्होंने बाजार क्षेत्र को अधिक हरित और स्वच्छ बनाने के लिए लगाए गए पौधों की सामूहिक रूप से देखभाल करने का संकल्प लिया।

कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि परिषद की हरित और नागरिक पहलें विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप हैं, जहां स्वच्छ वातावरण, स्वस्थ मोहल्ले और टिकाऊ शहरी विकास समावेशी प्रगति की आधारशिला होंगे। उनके अनुसार प्रत्येक रविवार का यह अभियान राजधानी में जिम्मेदारी, सहभागिता और संरक्षण की भावना को मजबूत कर रहा है।

जीडीए : 14 साल बाद नंदग्राम में आवासीय भूखंडों की सौगात, मुख्यमंत्री योगी ने जारी किया योजना का ब्रॉशर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद के शहरी विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की बहुप्रतीक्षित नंदग्राम भूखण्डीय योजना के ब्रॉशर का विधिवत विमोचन किया। लगभग डेढ़ दशक (14 वर्ष) के लंबे अंतराल के बाद प्राधिकरण द्वारा कोई नई आवासीय भूखंड योजना शुरू की गई है, जिससे घर का सपना देख रहे लोगों में भारी उत्साह है।

मुख्यमंत्री ने सराहा, उपाध्यक्ष की रणनीति रंग लाई

ब्रॉशर विमोचन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह योजना गाजियाबाद में सुनियोजित शहरी विकास को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने पारदर्शी डिजिटल प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं में तकनीक का समावेश नागरिकों के विश्वास को सुदृढ़ करता है।

वहीं इस योजना को धरातल पर उतारने में जीडीए उपाध्यक्ष, आईएएस नंदकिशोर कलाल की कार्यकुशलता और दूरदर्शी सोच की विशेष चर्चा हो रही है। उनके नेतृत्व में प्राधिकरण ने न केवल सालों से लंबित भूमि विवादों और तकनीकी बाधाओं को दूर किया, बल्कि रिकॉर्ड समय में इस योजना का रेरा पंजीकरण सुनिश्चित कराकर

इसे जनता के लिए प्रस्तुत किया। कलाल की टीम ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया है कि योजना पूरी तरह से विवाद मुक्त और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हो।

योजना की खास बातें: पारदर्शिता पर जोर

यह योजना गाजियाबाद के ग्राम नूरनगर, नंदग्राम (खसरा संख्या 96 एवं 97) में विकसित की जा रही है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी आवंटन प्रक्रिया है, जिसे पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त रखने के लिए ई लॉटरी प्रणाली से जोड़ा गया है।

मुख्य विवरण: भूखंडों का आकार: 60 वर्ग मीटर से लेकर 221 वर्ग मीटर तक के विकल्प। निर्धारित दर: ₹79,000 प्रति वर्ग मीटर।

रेरा पंजीकरण: UPRERAPRJ932839/02/2026 (पूरी तरह सुरक्षित निवेश)। पेमेंट प्लान: पंजीकरण के लिए कुल मूल्य का 10% (आरक्षित वर्ग हेतु 5%) देना होगा। शेष राशि 8 आसान त्रैमासिक किस्तों में 10% वार्षिक ब्याज के साथ देय होगी।

डिजिटल प्रक्रिया से मिलेगा हक

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने बताया कि योजना में आवेदन से लेकर आवंटन पत्र प्राप्त करने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है। इच्छुक आवेदक प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट www.gdaghaziabad.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पूर्ण भुगतान और रजिस्ट्री के बाद 36 महीने के भीतर आवेदकों को भौतिक कब्जा सौंप दिया जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि नंदग्राम जैसी प्राइम लोकेशन पर इस योजना के आने से गाजियाबाद के रियल एस्टेट मार्केट में नई जान आएगी और मध्यम वर्ग को एक व्यवस्थित कॉलोनी में रहने का अवसर मिलेगा।

हापुड़ में शादी समारोह में हंगामा, युवतियों से अभद्रता का आरोप, विरोध पर मारपीट, वीडियो वायरल

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना हापुड़ क्षेत्र के फ्रीगंज रोड पर शनिवार देर रात एक घुड़चढ़ी कार्यक्रम के दौरान उस समय अफरा तफरी मच गई जब डांस कर रही युवतियों के साथ कुछ युवकों द्वारा कथित अभद्रता किए जाने का मामला सामने आया। विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच धक्का मुक्की और मारपीट हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बारात जिला बुलंदशहर से हापुड़ पहुंची थी। शादी समारोह में चढ़त की रस्म के दौरान बैंड की धुन पर युवतियां नृत्य कर रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और नृत्य कर रही युवतियों के साथ अभद्र हरकतें करने लगे। जब युवतियों ने इसका विरोध किया तो आरोपी युवक उल्टा बहस करने लगे और माहौल तनावपूर्ण हो गया। बताया जाता है कि युवतियों ने घटना की सूचना अपने परिजनों को दी। इसके बाद दूल्हे पक्ष के लोगों ने आरोपित युवकों का विरोध किया, जिस पर स्थिति और बिगड़ गई। आरोप है कि युवक आक्रोशित हो गए और उन्होंने दूल्हे पक्ष के लोगों के साथ धक्का मुक्की तथा मारपीट शुरू कर दी। कुछ ही देर में शादी समारोह का माहौल हंगामे में बदल गया और कार्यक्रम बाधित हो गया। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में लोगों के बीच तीखी बहस और हाथापाई होती दिखाई दे रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

चार पहिया वाहन चोरी करने वाले गैंग का पुलिस ने किया भंडाफोड़, 2 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना मोदीनगर पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते चार पहिया वाहन चोरी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ रविवार को कर दिया है। पुलिस ने गैंग के 2 सदस्य हरेंद्र और अमित को गिरफ्तार किया। यह गैंग बुलन्दशहर, हापुड, मेरठ, गाजियाबाद और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र से चार पहिया वाहनों की चोरी करके गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली में बेचा करता है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 2 कार स्कार्पियो एन और आई-20, वाहन चोरी करने मे प्रयुक्त ब्रेजा कार, फर्जी नम्बर प्लेट व वाहन चोरी करने में प्रयुक्त इलैक्ट्रोनिक उपकरण बरामद किए। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि गाजियाबाद में पुलिस ने वाहन चोरी करने वालों को गिरफ्तार करने के लिए अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत संयुक्त कार्यवाही में चार पहिया वाहन चोरी करने वाले गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। यह गैंग दिल्ली

एनसीआर सहित उत्तरप्रदेश के कई जिलों में सक्रिय है और वहां से चार पहिया वाहन चोरी करते है। गैंग चार पहिया वाहन को चोरी करने के बाद गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली राज्य में बेचता है। इसके पास से चोरी की गाड़ियां बरामद की गई है और पुलिस से बचने के लिए यह गैंग फर्जी नम्बर प्लेट का प्रयोग करता है। पकड़े गए अभियुक्त हरेंद्र के खिलाफ 27 और अमित के खिलाफ 4 अपराधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जिसमें लगभग 12 सदस्य है। वह सभी मिलकर हुंडई, मारुति, टोयोटा व महिंद्रा की गाड़ियों को टारगेट करते है। गाड़ियों को चोरी करने के बाद उसकी नंबर प्लेट हटा कर फर्जी नम्बर प्लेट लगा देते थे। गाड़ियों को चोरी करके गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली में बेचता है। वहां पर चोरी की गाड़ियां आसानी से बिक जाती है। चोरी की फॉर्च्यूनर के 4 लाख, स्कॉर्पियो के 3 लाख और अन्य छोटी गाड़ियों के 60 हजार रुपए तक मिल जाते है, जिन्हें वह आपस में बांट लेते है।

नन्हे-नन्हे बच्चों के बीच पहुंचे जिलाधिकारी, यूकेजी ग्रेजुएशन समारोह में बिखरी खुशी

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर के सिंभावली क्षेत्र स्थित हिम्मतपुर मार्ग पर अवस्थित माउंट कोलंबस इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को यूकेजी ग्रेजुएशन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों की पहली शैक्षिक उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाया गया। यूकेजी कक्षा के मेधावी बच्चों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी अभिषेक पांडे और विद्यालय के चेयरमैन सतपाल यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जीवन की प्रारंभिक शिक्षा ही भविष्य की मजबूत नींव होती है और इस स्तर पर मिली प्रेरणा बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका

निभाती है। विद्यालय के चेयरमैन सतपाल यादव ने कहा कि यूकेजी ग्रेजुएशन बच्चों की पहली शैक्षिक सीढ़ी है। इस उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे की पढ़ाई के प्रति और अधिक उत्साहित होते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों को सकारात्मक वातावरण देने और उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। समारोह के दौरान यूकेजी की छात्रा रिदा खान ने अपने स्वागत भाषण से सभी का दिल जीत लिया। छोटे छोटे बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। नन्हे विद्यार्थियों ने कविता, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में देवेंद्र सिंह पधान, जय सिंह राणा, रेशमा परवीन, शगुन, आंचल त्यागी, लक्ष्य यादव, सीपी यादव, धर्मेंद्र यादव, पुष्पा रावत सहित अनेक अभिभावक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नन्हे नन्हे बच्चों के बीच जिलाधिकारी के पहुंचने और उनसे आत्मीय संवाद करने से पूरा माहौल उत्सवपूर्ण और प्रेरणादायक बन गया। बच्चों ने जिलाधिकारी के साथ संवाद कर उत्साह और आत्मविश्वास का परिचय दिया। समारोह का समापन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

64 लाख की लूट का 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, चार लाख रुपये व बैग बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना पिलखुवा क्षेत्र में राजस्थान के एक व्यापारी से 64 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट की घटना में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट के चार लाख रुपये नकद और एक बैग बरामद किया है। घटना के खुलासे से पुलिस महकमे में संतोष व्यक्त किया जा रहा है, जबकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता की सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार 31 जनवरी को राष्ट्रीय राजमार्ग पर राजस्थान के व्यापारी से बदमाशों ने 64 लाख रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए

मामले की जांच शुरू की और अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। हालांकि घटना के बाद से जिला गाजियाबाद के थाना विजयनगर क्षेत्र के सेक्टर 11 निवासी अकरम तथा थाना सिंभावली क्षेत्र के गांव माधापुर निवासी अर्जुन त्यागी फरार चल रहे थे। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक स्तर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने बताया कि पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए गांव माधापुर निवासी अर्जुन त्यागी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से लूट के चार लाख रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त बैग बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अब फरार दूसरे आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शेष रकम की बरामदगी और अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि शेष फरार अभियुक्त को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिनदहाड़े हुई इस बड़ी लूट की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अब तक छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और लूट की रकम का आंशिक हिस्सा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

आईटीएस मोहननगर में एलुमनाई रीयूनियन 2026 का आयोजन, 150 से अधिक पूर्व छात्र हुए शामिल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहननगर में बीबीए एवं बीसीए पाठ्यक्रम के पूर्व विद्यार्थियों के लिए एलुमनाई रीयूनियन 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2014-17 से लेकर 2018-21 तक के उत्तीर्ण बैच के लगभग 150 से अधिक एलुमनाई ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन कॉलेज के चाणक्य प्रेक्षागार में संपन्न हुआ, जहाँ पुराने साथियों और शिक्षकों से मिलकर पूर्व छात्र भावुक नजर आए। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना था, ताकि वे आपसी संवाद के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ सकें और अपने व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत अनुभव साझा कर सकें। एलुमनाई रीयूनियन में इंटरैक्शन सत्र, अनुभव साझा मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ तथा व्यावसायिक नेटवर्किंग गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर कॉलेज, शिक्षक और एलुमनाई के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़

करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि संस्थान को अपने पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि सफलता का वास्तविक अर्थ केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि माता पिता, शिक्षकों और संस्थान का नाम रोशन करना भी है। उन्होंने एलुमनाई से आह्वान किया कि वे अपने अपने कार्यक्षेत्र में उच्च आदर्शों, नैतिक मूल्यों और उत्कृष्टता की परंपरा को बनाए रखते हुए समाज में सकारात्मक योगदान दें। संस्थान सदैव अपने पूर्व विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है और उनसे आत्मीय संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यूजी संस्थान की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) नैंसी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि एलुमनाई की उपलब्धियाँ वर्तमान एवं भावी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी सफलता संस्थान के शैक्षणिक मूल्यों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पूर्व विद्यार्थियों की प्रगति से संस्थान का गौरव बढ़ता है और छात्रों को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है। रीयूनियन के दौरान कई सफल उद्यमी, रियल एस्टेट डेवलपर, इंटरनेशनल ट्रेडर, सोशल मीडिया विशेषज्ञ और मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्यरत प्रबंधक उपस्थित रहे। सभी ने अपने करियर और व्यवसाय से जुड़े अनुभव साझा किए तथा आपसी संपर्क स्थापित किए। कार्यक्रम के अंत में एलुमनाई ने प्रबंधन, प्राचार्या और शिक्षकों के साथ स्मृति चित्र खिंचवाए और वीडियो संदेश भी दिए। इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रोफेसर (डॉ.) विदुषी सिंह, कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर श्रेयता राज, प्रोफेसर उत्तम शर्मा, प्रोफेसर कनिका टंडन, डॉ. बरखा कक्कर, डॉ. नीरज जैन सहित अन्य संकाय सदस्य एवं स्टाफ उपस्थित रहे। सभी एलुमनाई ने संस्थान में पुनः आकर प्रसन्नता व्यक्त की और आयोजन के लिए आभार जताया।

5 सूत्रीय मांगों को लेकर ग्राम सीकरी खुर्द में भा.कि.यू. के बैनर तले बैठक आयोजित

मोदीनगर (शिखर समाचार) भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले एक पंचायत। सीकरी खुर्द गाँव में धनबीर की बैठक पर संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता बाबा टीकम सिंह ने की व संचालन राहुल प्रधान ने किया पंचायत में मुख्य रूप से जनहित से जुड़ी 5 सूत्रीय मांगों पर जिनमें मुख्य रूप से सीकरी खुर्द की अठारह सौ बीघा जमीन का दाखिल खारिज शुरू कराने सीकरी महामाया। मंदिर का 25 करोड़ रुपया भवन पर खर्च करने सिबरा रोड फाटक व सीकरी रोड फाटक पर जाम से मुक्ति दिलाने प्राइवेट डॉक्टरों की लूट से छुटकारा दिलाने के लिए सरकारी अस्पताल में सभी जरूरी सुविधाएं दिए जाने वह ग्रामीण क्षेत्र की सभी जर्जर सड़कों का पुनर्निर्माण कराने जैसी समस्याओं पर सभी ने अपने अपने विचार रखे सभी के विचार आने के बाद मोर्चा के अध्यक्ष डॉ० बबली गुर्जर युवा विंग के अध्यक्ष सतेंद्र शर्मा व महिला विंग की अध्यक्ष नीरज प्रजापति जी ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया कि जनहित से जुड़ी इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए 25 फरवरी दिन बुधवार से तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा और समस्याओं का समाधान होने तक धरना जारी रहेगा। पंचायत को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से मोर्चा के संरक्षक कालू चेयरमैन रामदत्त शर्मा विकल प्रधान चमन नेताजी राहुल प्रधान धनबीर चंदीला मोनू प्रधान निर्दोष खटाना नवाब अली डॉ एसके शर्मा नवीन जैन देव पंडित एस के भाटी सतवीर प्रजापति बीर सिंह साहब सिंह विपिन जिंदल आशीष कसाना नरेन्द्र ठाकुर मनोज शर्मा बलबीर भड़ाना आदि ने संबोधित किया

गढ़मुक्तेश्वर में भाकियू लोकहित के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरीश हूण हाउस अरेस्ट, प्रधानमंत्री की रैली में ज्ञापन देने की तैयारी पर प्रशासन की कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) रविवार को उस समय क्षेत्र में हलचल मच गई जब गढ़मुक्तेश्वर ब्लॉक के गांव शुक्लामपुरा निवासी और भारतीय किसान यूनियन लोकहित के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरीश हूण को पुलिस प्रशासन ने हाउस अरेस्ट कर लिया। देर रात से ही उनके आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था, जिससे आसपास के ग्रामीणों में चर्चा का माहौल बना रहा। सूत्रों के अनुसार हरीश हूण नरेंद्र मोदी के मेरठ दौरे के दौरान इंडो अमेरिका डील के विरोध में किसानों से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपने की तैयारी में थे। प्रशासन को इसकी जानकारी मिलने के बाद एहतियातन कदम उठाते हुए उन्हें घर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी गई। पुलिस बल की तैनाती के चलते किसी भी बाहरी व्यक्ति को उनके आवास के निकट जाने की अनुमति नहीं दी गई। हरीश हूण ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक देश में विरोध दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन प्रशासन द्वारा उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका आरोप है कि सरकार किसानों की समस्याओं को सुनने के बजाय पुलिस का सहारा लेकर उन्हें रोकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वे शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन उन्हें पहले ही नजरबंद कर दिया गया। स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। किसान संगठनों से जुड़े कुछ लोगों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया है, जबकि प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिकोण से एहतियातन कदम उठाया गया है। फिलहाल जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक चर्चाएं तेज हो गई

व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान

हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद के व्यापारियों की समस्याओं और उनके अधिकारों की रक्षा को लेकर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान की एक महत्वपूर्ण बैठक रेलवे रोड स्थित सचिन जिंदल के कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में जिले भर से आए व्यापारियों और पदाधिकारियों ने भाग लिया तथा संगठन की मजबूती और व्यापारी हितों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अरूण अग्रवाल (चीनी वाले) तथा सचिन जिंदल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनपद में किसी भी व्यापारी के साथ अन्याय या उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए प्रशासनिक अधिकारियों को व्यापारियों के साथ सम्मानजनक और सहयोगात्मक व्यवहार अपनाना चाहिए। यदि कहीं भी अनावश्यक दबाव या गलत कार्यवाही की शिकायत मिलती है तो संगठन मजबूती के साथ व्यापारियों के साथ खड़ा रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ सभी व्यापारियों को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा सकारात्मक है और व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, किंतु स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों को अपनी कार्यशैली में सुधार कर व्यापारियों

की समस्याओं का त्वरित और न्यायपूर्ण समाधान करना चाहिए। बैठक के दौरान संगठन के पदाधिकारियों का पटका पहनाकर सम्मान किया गया तथा उन्हें मनोनयन पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर संगठन की एकजुटता और सक्रियता को और अधिक सुदृढ़ करने का आह्वान किया गया। उपस्थित व्यापारियों ने एक स्वर में कहा कि संगठन की मजबूती ही व्यापारियों की सबसे बड़ी ताकत है और सामूहिक प्रयासों से ही हर समस्या का समाधान संभव है। कार्यक्रम में उघोगपति चक्रवर्ती गर्ग, सुधीर चोटी, पंकज (वृंदा ज्वैलर्स), लवलीन गुप्ता, दीपक गोयल, विकास गर्ग, अनुज गर्ग, यश, गौरव सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने व्यापारी समाज की एकता बनाए रखने और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया। बैठक का समापन संगठन की मजबूती और व्यापारी सम्मान की रक्षा के दृढ़ संकल्प के साथ हुआ।

बहन बनाकर किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर गर्भपात कराया, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती के साथ विवाह का झांसा देकर दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने तथा गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर आरोपी सहित चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी माता एक नेटवर्क विपणन कंपनी में कार्यरत थी। वर्ष 2019 में वह अपनी माता के साथ कंपनी के एक कार्यक्रम में गई थी, जहां उसकी मुलाकात थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के धनावली अट्टा निवासी तथा वर्तमान में भूड़बराल, एचपी पेट्रोल पंप के निकट, मेरठ में रहने वाले सौरभ से हुई। सौरभ ने उसे बातचीत में फंसाकर कंपनी से जोड़ लिया। अगस्त 2019 से उसने कंपनी में कार्य करना शुरू कर दिया।

पीड़िता का आरोप है कि सौरभ ने प्रारंभ में राखी बंधवाकर भाई बहन का संबंध बनाने का नाटक किया, लेकिन बाद में वह अश्लील हरकतें करने लगा। वह पीड़िता के घर आने जाने लगा और उसे अपने घर ले जाकर अपनी माता सविता, पिता कृष्णपाल तथा बहन संजना से भी मिलवाया। आरोप है कि नवंबर 2020 में सौरभ कंपनी की बैठक का बहाना बनाकर पीड़िता को सिंभावली स्थित एक होटल में ले गया, जहां शीतल पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और उसके बाद उसके साथ जबरन दुष्कर्म

किया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी अश्लील वीडियो बना ली और उसे सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित करने की धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर चुप रहने के लिए दबाव बनाया और बाद में उसका गर्भपात करा दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना बाबूगढ़ पुलिस ने आरोपी सौरभ, उसकी माता, पिता और बहन के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी सौरभ को मुखबिर की सूचना पर मुदाफरा बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं और शीघ्र ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मेरठ में नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का शुभारंभ, प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित उत्तर प्रदेश से ही बनेगा विकसित भारत

मेरठ (शिखर समाचार) क्रांतिधरा मेरठ में विभिन्न विकास परियोजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नमो भारत रैपिड रेल तथा मेरठ मेट्रो सेवा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, जयंत चौधरी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का शुभारंभ होना विकसित भारत की आधुनिक संपर्क व्यवस्था की झलक है। उन्होंने कहा कि शहर के भीतर सुगम यातायात के लिए मेट्रो और जुड़वां नगरों की परिकल्पना को साकार करने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक अर्द्ध उच्चगति रेल सेवा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। उन्होंने इसे डबल इंजन सरकार की कार्यसंस्कृति का उदाहरण बताते हुए कहा कि अब परियोजनाएं वर्षों तक लंबित नहीं रहतीं, बल्कि समयबद्ध ढंग से पूरी की जाती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें स्वयं मेरठ मेट्रो में यात्रा करने और विद्यार्थियों व यात्रियों से संवाद करने का अवसर मिला। लोगों ने आधुनिक सुविधाओं की सराहना की और विशेष रूप से महिलाओं ने सुरक्षित वातावरण की अनुभूति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था और आधुनिक परिवहन व्यवस्था ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। नमो भारत सेवा में बड़ी संख्या में बेटियां विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं, जो नारी शक्ति के सशक्तिकरण का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में मेट्रो सेवा सीमित शहरों तक थी, जबकि अब 25 से अधिक शहरों में मेट्रो संचालित हो रही है और भारत विश्व के प्रमुख मेट्रो नेटवर्क वाले देशों में शामिल हो चुका है। उत्तर प्रदेश में भी कई नगरों में मेट्रो परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि मेरठ, गाजियाबाद, आनंद विहार और सराय काले खां जैसे स्टेशनों पर रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ने की व्यवस्था देश में पहली बार लागू की गई है, जिससे यात्रियों को एक ही मंच से नगर और राजधानी के बीच यात्रा की सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तीव्र गति मार्ग, समर्पित माल गलियारा तथा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जैसी परियोजनाएं क्षेत्र को औद्योगिक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही हैं। इन परियोजनाओं से निर्माण काल में भी रोजगार सृजित हो रहे हैं और बाद में उद्योगों के माध्यम से स्थायी अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि मेरठ और आसपास का क्षेत्र सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का प्रमुख केंद्र है। खेल सामग्री, कैंची उद्योग, हस्तशिल्प, पीतल शिल्प, लकड़ी नक्काशी, वस्त्र और चमड़ा उद्योग को वैश्विक बाजार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा लघु उद्योगों के लिए विशेष कोष की घोषणा से ऋण सुविधा आसान होगी। अब छोटे उद्यमी डिजिटल माध्यम से विदेशों तक अपने उत्पाद भेज सकेंगे।

कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर किसानों के योगदान को सम्मान दिया गया है। किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के किसानों को बड़ी राशि प्रदान की जा चुकी है, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिला है। खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास जारी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान अब दंगों और अपराध से नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन, मोबाइल निर्माण, खेल अवसंरचना और सेमीकंडक्टर उद्योग जैसी परियोजनाओं से हो रही है। कानून व्यवस्था में सुधार के कारण निवेश और उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण बना है। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य करती रहेगी।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री ने नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो परियोजना के लिए प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश ही विकसित भारत की आधारशिला बनेगा।

संक्षिप्त डायरी

होटल में थूक लगाकर रोटी बना रहा था कर्मचारी

अलीगढ़ (एजेंसी)। एक होटल में थूक लगाकर रोटी बनाने का मामला सामने आया है। इस घटना के दो वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें होटल का एक कर्मचारी थूक लगाकर रोटी बनाते हुए दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो एक ग्राहक ने खुद बनाया है। घटना शनिवार रात अलीगढ़ के रोरावर थाना क्षेत्र की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस और खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने लोगों से घटना की जानकारी ली और खाने के सैंपल जांच के लिए भेज दिए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर होटल को सीज कर दिया। शाहजमाल इलाके में सादाब चिकन दरबार नाम से होटल है। शनिवार को कुछ लोग होटल पर खाना खाने गए थे। खाने का ऑर्डर देने के बाद बैठकर बातें करने लगे। इसी दौरान उनमें से एक की नजर रोटी बना रहे शख्स पर पड़ी। वो बार-बार रोटी के आगे झुक रहा था। उसने दूर से ही वीडियो बना लिया। ध्यान से देखने पर पता चला कि होटल कर्मचारी सुहैल थूक लगाकर रोटी बना रहा है। उसने फोन करके अपने कुछ और साथियों को बुला लिया। उसके बाद होटल पर हंगामा करने लगे। उन्होंने होटल कर्मचारी सुहैल से जब थूक लगाकर रोटी सेकने के बारे में पूछा तो उसने मना कर दिया। इसको लेकर उनके बीच काफी देर तक बहस होती रही। इसी दौरान किसी ने पुलिस और खाद्य विभाग को फोन कर सूचना दे दी। थोड़ी ही देर में पुलिस और खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों से घटना की जानकारी ली। उसके बाद खाद्य विभाग की टीम ने सैंपल लिया। पुलिस को देखते ही लोग शोर मचाने लगे। होटल बंद कराने और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया उसके बाद लोग शांत हुए। 21 फरवरी को 6-6 सेकेंड के दो वीडियो सामने आए। जिसमें दिख रहा है कि दो होटल कर्मचारी खड़े होकर रोटी बना रहे हैं। उसमें से एक शख्स सफेद रंग की टीशर्ट पहने हुए हैं। उसने दाढ़ी भी रखी हुई है। वह रोटी सेंकने से पहले रोटी पर झुककर थूक रहा है। उसके बाद रोटी को आंच पर रख रहा है। वह बिना किसी डर के लगातार ऐसा कर रहा है। होटल के सामने से कुछ अन्य लोग भी जाते दिखाई दे रहे हैं। सीओ कमलेश कुमार ने बताया- 21 फरवरी को एक वीडियो मिला। जिसमें एक व्यक्ति अपने ढाबे पर काम करते समय रोटी बनाते हुए उस पर थूक लगाता दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने जांच शुरू की। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। होटल कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर अरेस्ट कर लिया गया है।

रायबरेली में प्रेमी-प्रेमिका के शव एक फंदे पर मिले

रायबरेली (एजेंसी)। एक प्रेमी युगल का शव रविवार सुबह पेड़ से लटका मिला है। यह घटना मिल एरिया कोतवाली थाना क्षेत्र के प्रेम राजपुर और राधनपुर ग्राम सभा की सीमा पर हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों शवों को फंदे से उतारकर कब्जे में लिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। युवक की पहचान शिव बहादुर (26) पुत्र गंगा प्रसाद दोहरी गांव के रूप में हुई है, जबकि महिमा (24) पुत्री रामसमुझ यादव खादरी गांव की रहने वाली थी। दोनों में चार साल से अफेयर था। ग्रामीणों के अनुसार, यह घटना तकरीबन सुबह 4 से 5 बजे के बीच की प्रतीत होती है। खेतों में शौच के लिए आए ग्रामीणों ने सबसे पहले शवों को देखा। फिर इसकी जानकारी ग्राम प्रधान को दी, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक प्रेमी युगल सजातीय थे और पिछले चार वर्षों से उनके बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। घटनास्थल से एक ब्रीफकेस भी बरामद हुआ है, जिसमें प्रेमी युगल के कपड़े मिले हैं। मृतक शिव बहादुर और मृतका महिमा के गांवों के बीच की दूरी लगभग 4 से 5 किलोमीटर है। इस पूरे मामले को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया यह पूरा मामला प्रेम प्रसंग का नजर आ रहा है, जिसके चलते दोनों ने आत्महत्या की है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अलीगढ़ में डांसर के साथ दुल्हन का भाई भागा

अलीगढ़ (एजेंसी)। बहन की शादी में नाचने के लिए बुलाई गई एक डांसर दुल्हन के भाई को लेकर भाग गई। दुल्हन के भाई बिलाल की शादी एक महीने पहले ही हुई थी। दरअसल, आधी रात जब डांस का प्रोग्राम खत्म हो गया तो बिलाल डांसर को छोड़ने उसके घर गया था।इस बीच रास्ते में बातचीत के दौरान बिलाल को डांसर सोनी से प्यार हो गया। दोनों के बीच प्रेम संबंध इस कदर बढ़ गया कि बिलाल ने अपनी नई-नवेली दुल्हन से बात करना बंद कर दिया। बिलाल और डांसर सोनी को जयपुर के एक होटल में देखा गया है, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दुल्हन और घरवालों ने आरोप लगाया कि नाचने वाली महिला शातिर अपराधी है। वह हत्या के केस में जेल भी जा चुकी है। मामला थाना गांधी पार्क क्षेत्र का है। सराय इंतजाम अली में गुलिस्ता बेगम रहती है।

बिजनौर में बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन, 172 लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद बिजनौर में आज आरजेपी इंटर कॉलेज परिसर में बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार सप्तम, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सुधीर कुमार, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी ज्ञान प्रकाश सिंह, जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार तथा प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंशुमन धुन्ना ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया।

मेगा शिविर में जनपद के विभिन्न शासकीय विभागों ने व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की। पुलिस विभाग, नगर पालिका परिषद, तहसील बिजनौर, समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, खंड विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), ग्रामीण विकास विभाग, लघु, कुटीर, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं रसद विभाग, डाक विभाग, आवास एवं नगर विकास विभाग, केंद्रीय औद्योगिक एवं सुगंध पादप अनुसंधान केंद्र, परिवहन विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, कौशल विकास विभाग, कृषि एवं वानिकी विभाग, पशुपालन विभाग तथा युवा कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा अपने अपने सहायता काउंटर स्थापित कर आमजन को विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पात्र व्यक्तियों के आवेदन स्वीकार किए और कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कराईं। शिविर के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत कुल 172 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, बाल सेवा योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका सहायता योजना सहित अन्य योजनाएं शामिल रहीं। संबंधित विभागों द्वारा स्वीकृति प्रमाण पत्र एवं सहायता पत्र वितरित किए गए, जिससे लाभार्थियों के चेहरे पर संतोष और आत्मविश्वास झलकता दिखाई दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार-सप्तम ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का मूल उद्देश्य समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण न्याय से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समय समय पर लोक अदालत, विधिक जागरूकता शिविर तथा परामर्श कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करता है। प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंशुमन धुन्ना ने कहा कि विधिक साक्षरता समाज को सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या, पारिवारिक विवाद, भूमि संबंधी विवाद या अन्य प्रकरणों में निःसंकोच जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करें और उपलब्ध निःशुल्क सेवाओं का लाभ उठाएं। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार ने नागरिकों से कानून के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल प्रशासन से संपर्क करने का आह्वान किया।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे। लोगों ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन प्रस्तुत किए तथा योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। आयोजन के माध्यम से न्यायपालिका और प्रशासन के समन्वित प्रयासों की सकारात्मक छवि सामने आई। अंत में आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे बृहद शिविर भविष्य में भी आयोजित कर अधिकाधिक नागरिकों को विधिक सहायता एवं शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा।

'मिनी जामताड़ा' में 34 साइबर ठग अरेस्ट, 45 फरार

मथुरा (एजेंसी)। मिनी जामताड़ा में साइबर ठगों को पकड़ने के लिए एक बार फिर 240 से अधिक पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की। 20 से अधिक गाड़ियों से पुलिसकर्मियों के साथ एसपी पहुंचे और दो टीमें बनाकर दो गांवों में रेड किए। पुलिस टीम को देखते ही गांव में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ खेतों में छिप गए। पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा। घरों की तलाशी ली गई। रविवार सुबह पुलिस ने विशंभरा और झंझावली गांव में रेड किए। करीब 5 घंटे तक चली कार्रवाई में पुलिस ने 34 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सुरेश चंद्र रावत के अनुसार, पुलिस को देखने के बाद 45 लोग फरार हो गए। 5 गाड़ियां भी जब्त की गई हैं। दरअसल, मथुरा के बॉर्डर क्षेत्र के करीब करीब 8-10 गांव ऐसे हैं जो साइबर ठगी का गढ़ माना जाता है। यहां साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क है जोकि देश-विदेशों में ठगी का अंजाम देता है। शेरगढ़ क्षेत्र के गांव विशंभरा और जांघवली में रविवार को सुबह 6 बजे एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत फोर्स के साथ पहुंचे। उस समय गांव वाले सो रहे थे। पुलिस को देखते ही अफरा तफरी मच गई।पुलिसकर्मियों ने पूरे गांव को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिसकर्मियों ने घरों की तलाशी ली। 45 से अधिक लोगों को हिरासत में ले गया है। पुलिस को अंदेशा है कि पकड़े गए युवक साइबर ठगी से जुड़े हैं। इनसे पूछताछ के बाद बड़े साइबर क्राइम नेटवर्क का भंड़ाफोड़ हो सकता है।पुलिस को लगातार कई महीनों से साइबर ठगी की शिकायतें मिल रही थी। छानबीन करने पर पता चला कि शेरगढ़ क्षेत्र के गांवों से वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। पुलिस ने बाइक, फोन भी कब्जे में लिया है। शेरगढ़ थाने में लाकर सभी से पूछताछ किया जा रहा।एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने बताया मथुरा में सायबर ठगों के खिलाफ की गई कार्यवाही के दौरान 240 पुलिस कर्मी मौजूद रहे। 6 अरढ और सीओ भी रहे। कार्रवाई के लिए 2 टीम बनाई गई। पहली टीम ने विशंभरा में 23 लोगों को अरेस्ट किया जबकि 28 फरार हो गए। जबकि दूसरी टीम ने झंझावली से 11 लोगों को अरेस्ट किया और 17 फरार हो गए। 8 पहले भी जेल जा चुके हैं। अरेस्ट 2 लोग ऐसे हैं जिन पर पहले से विभिन्न राज्यों में 18 से अधिक फ्रॉड केस दर्ज है। 5 गाड़ियां भी बरामद की गई है।

सिवालखास के भूनी गांव में विराट हिन्दू सम्मेलन, संतों के आशीर्वचन सुनने उमड़ी रिकॉर्ड भीड़

मेरठ (शिखर समाचार) सिवालखास विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भूनी में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में संत महात्माओं के आशीर्वचन प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 1500 मातृशक्ति सहित 2000 से अधिक क्षेत्रीय सनातनियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर भैया दास महाराज रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में इंद्रप्रस्थ पीठाधीश्वर जगत गुरु कृष्ण स्वरूप महाराज उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रजघाट पीठाधीश्वर स्वामी जलेश्वर आनंद गिरि महाराज तथा परशुराम धाम के पीठाधीश्वर देवभूणि जो महाराज ने भी मंच की शोभा बढ़ाई।

मुख्य वक्ता के रूप में मातृशक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री क्षमा शर्मा ने अपने विचार रखे। उन्होंने राष्ट्र, संस्कृति और युवा शक्ति की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक दीपक भाईसाहब ने संघ के सेवा, संगठन और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से श्रोताओं को अवगत कराया।

संतों के उद्बोधन में हिन्दू एकता, सांस्कृतिक जागरण और ह्यपंच परिवर्तन के विषय पर विशेष चर्चा की गई। संतों ने समाज को संगठित होकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने सनातन धर्म के गौरवशाली इतिहास तथा देश के महापुरुषों के योगदान का स्मरण कराते हुए वर्तमान पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रणबीर ठाकुर ने की, जबकि संचालन रोहित ने किया। सम्मेलन का आयोजन ऐसे समय में हुआ जब मेरठ की क्रांति भूमि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा सम्पन्न हुई थी। इसके बावजूद संतों के आशीर्वचन सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। सकल हिंदू समिति सरूरपुर खुर्द के अध्यक्ष तथा भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सदस्य स्पेशल ओलंपियाड पंडित आदेश फौजी के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनसंपर्क, सेवा भाव और समाज के प्रति समर्पण के कारण क्षेत्र में उनका प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में जिला कार्यवाह संजय, स्वागतकर्ता के रूप में जगदीश जाटव, जितेंद्र गोस्वामी, प्रदीप शर्मा, दीपक शर्मा, रजनीश त्यागी, योगेश गोस्वामी, लक्ष्मण प्रजापति, सुमित वाल्मीकि, सावन वाल्मीकि, जितेंद्र शर्मा, रूचीन त्यागी, शिवम त्यागी, हरिकिशन त्यागी, पंकज शर्मा, अभिषेक, पंकज ठाकुर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्मेलन के समापन पर संतों ने राष्ट्र, समाज और क्षेत्र की समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं कीं तथा उपस्थित जनसमूह को एकजुट होकर धर्म और संस्कृति की रक्षा का संकल्प दिलाया।

पीलीभीत में जीजा ने साली पर की फायरिंग:पारिवारिक विवाद में हमला

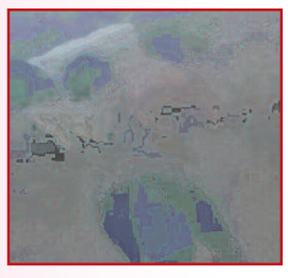

पीलीभीत (एजेंसी)। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी ही साली पर राइफल से जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता और उसके पति ने किसी तरह अपनी जान बचाई, जबकि आरोपी फरार हो गया। थाना बीसलपुर के ग्राम भगवंतपुर करोड़ निवासी नेहा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 फरवरी 2026 को जब वह नल पर नहा रही थी, तभी उसके जीजा राजीव सिंह छत से फायरिंग कर देने आए। गोली लगने से बाल-बाल बची नेहा ने आरोप लगाया कि उसके पहले घर और जेवर व मुकदमे के पैसे राजीव और उसकी बड़ी बहन रेखा ने हड़प लिए। साथ ही उसने बताया कि राजीव ने उसके साथ जबरदस्ती अवैध संबंध बनाने का प्रयास किया। इन सब परेशानियों के कारण नेहा ने अपनी मर्जी से राजीव के भतीजे पवन सिंह से प्रेम विवाह कर लिया और दिल्ली में शांतिपूर्वक रह रही थी। घर बुलाकर किया जानलेवा हमला परिवार के कहने पर नेहा और पवन 20 फरवरी को अपने गांव लौटे। आरोप है कि इसी दौरान राजीव राइफल लेकर छत पर आया और गोली चलाने लगा।नेहा किसी तरह अपने कमरे में भाग गई।

मेरठ में नमो भारत आरआरटीएस और मेट्रो का ऐतिहासिक शुभारंभ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को किया समर्पित

मेरठ (शिखर समाचार) नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मेरठ में भारत की पहली नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) और मेरठ मेट्रो के नए खंड का उद्घाटन कर दिल्ली मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश समेत पूरा देश विश्व स्तरीय अवसंरचना के एक नए युग का साक्षी बन रहा है। उन्होंने इसे विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरठ मेट्रो, नमो भारत ट्रेन और क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली के इस एकीकृत मॉडल से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लाखों लोगों का जीवन और अधिक सरल, सुगम और सुविधाजनक हो जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि देश में पहली बार नमो भारत और मेट्रो रेल एक ही स्टेशन और एक ही ट्रैक पर संचालित होंगी। इससे यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म से शहर के भीतर यात्रा करने और उसी स्टेशन से सीधे दिल्ली आने जाने की सुविधा प्राप्त होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की कार्य संस्कृति यह है कि जिस परियोजना का शिलान्यास किया जाता है, उसे पूरा करने के लिए दिन रात काम किया जाता है। उन्होंने कहा कि पहले परियोजनाएं वर्षों तक लंबित रहती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। उन्होंने उल्लेख किया कि नमो भारत और मेट्रो सेवा दोनों की नींव रखने का अवसर भी उन्हें ही मिला था और आज उनके उद्घाटन का सौभाग्य भी उन्हें ही प्राप्त हुआ है। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने मेरठ से अपने विशेष जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2014, 2019 और 2024 के आम चुनाव अभियानों की शुरूआत उन्होंने इसी धरती से की थी। उन्होंने क्षेत्र के किसानों, कारीगरों और उद्यमियों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में मेट्रो सेवा केवल पाँच शहरों तक सीमित थी, जबकि आज 25 से अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन चुका है। दिल्ली मेरठ कॉरिडोर की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ में भारतीय रेल, मेट्रो और बस अड्डों का एकीकरण किया गया है, जिससे यात्रियों को निर्बाध संपर्क सुविधा प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे के दौरान मेरठ मेट्रो में यात्रा भी की और छात्रों व अन्य यात्रियों से संवाद किया। उन्होंने इस परियोजना को नारी शक्ति का प्रतीक बताया और कहा कि इसमें बड़ी संख्या में महिला ट्रेन संचालक और स्टेशन नियंत्रण कर्मी कार्यरत हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लोगों को देश की पहली नमो भारत रैपिड रेल सेवा के लिए बधाई दी। अवसंरचना विकास पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे, समर्पित माल ढुलाई गलियारे और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी परियोजनाएं व्यापक रोजगार सृजन का आधार बन रही हैं। उन्होंने कहा कि इन पहलों से क्षेत्र में नए उद्योग और निवेश आकर्षित हो रहे हैं, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विश्व के अनेक विकसित देश भारत के साथ व्यापारिक समझौते करने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित देश भारत के साथ साझेदारी के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि उन्हें भारत के विकास में अपना भविष्य दिखाई देता है और भारत की युवा शक्ति में आशा नजर आती है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय आज भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम शक्ति के रूप में देख रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के केंद्रीय बजट में 10 हजार करोड़ रुपये के विशेष कोष का प्रावधान किया गया है, जिससे एमएसएमई इकाइयों को ऋण प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि कूरियर के माध्यम से निर्यात की सीमा समाप्त किए जाने से मेरठ और उत्तर प्रदेश के छोटे उद्यमी अब ऑनलाइन माध्यम से सीधे अमेरिका और यूरोप के ग्राहकों तक अपने उत्पाद पहुंचा सकेंगे। प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि मेरठ हापुड़ क्षेत्र ने उनकी दूरदृष्टि को निकट से देखा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार खाद्य प्रसंस्करण, आधुनिक कृषि अवसंरचना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के किसानों को लगभग 95 हजार करोड़ रुपये प्रदान किए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था और औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य दंगों और अपराध की छवि से बाहर निकलकर अब विनिर्माण, रक्षा उत्पादन, मोबाइल निर्माण और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि आज अपराधियों पर कठोर कार्रवाई हो रही है, बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है और बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेश तथा औद्योगिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से एक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है और हाल ही में राज्य के पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने अपने संबोधन का समापन करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित उत्तर प्रदेश अनिवार्य है और यह परियोजना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जेवर में रोंग साइड बाइक चलाकर टक्कर मारने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

जेवर (शिखर समाचार)। दिल्ली के एक युवक ने गांव दयानतपुर निवासी एक व्यक्ति पर तेज रफ्तार और लापरवाही से रोंग साइड बाइक चलाकर उसके भाई की बाइक में टक्कर मारने का आरोप लगाया है। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार अभी भी जारी है। घटना के करीब तीन माह बाद पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दक्षिणपुरी, दिल्ली निवासी फैजान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 13 दिसंबर 2025 को उसका भाई जीशान और चचेरा भाई जफर अली जेवर क्षेत्र में बन रहे दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर दयानतपुर गोल चक्कर के पास कार्य कर रहे थे। कार्य के सिलसिले में उन्हें गोल चक्कर की दूसरी ओर जाना था। आरोप है कि इसी दौरान गांव दयानतपुर निवासी दीपक रोंग साइड से तेज गति में बाइक चलाते हुए आया और उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जीशान और जफर अली गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज अब तक जारी है। शिकायत के अनुसार, हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़ित परिवार इलाज में व्यस्त होने के कारण तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं करा सका। अब पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कांबडौत में आधा दर्जन से अधिक किसानों की ट्यूबवेलों पर चोरी, लाखों का सामान पार

शामली (शिखर समाचार) शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव कांबडौत में चोरों ने एक ही रात में आधा दर्जन से अधिक किसानों की ट्यूबवेलों को निशाना बनाकर सनसनी फैला दी। चोर ट्यूबवेलों से मोटर, केबल, स्टार्टर सहित अन्य कीमती उपकरण चोरी कर ले गए। एक किसान की ट्यूबवेल पर तो चोरों ने तारों को वहीं जलाकर तांबा निकाल लिया और अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस, सर्विलांस टीम और एसओजी मौके पर पहुंची तथा मुआयना कर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव कांबडौत निवासी किसान नेता व भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव अनिल मलिक पुत्र रामपाल सिंह, सोराज पुत्र ब्रह्मसिंह, प्रेम सिंह, बिजेंद्र सिंह पुत्र चरण सिंह, सतेंद्र पुत्र भोलाराम, सुरेशपाल पुत्र नारायण, विकास पुत्र उदयवीर, जितेंद्र पुत्र सुखबीर सहित सरकारी नलकूप संख्या 59 को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने ट्यूबवेलों के ताले तोड़कर भीतर रखा मोटर, केबल, स्टार्टर और अन्य आवश्यक उपकरण चोरी कर लिए। सरकारी नलकूप से भी महत्वपूर्ण सामान पार कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार सुबह जब किसान सिंचाई के लिए खेतों पर पहुंचे, तब चोरी की घटना का पता चला। कई ट्यूबवेलों के दरवाजे टूटे मिले और अंदर का सामान गायब था। एक स्थान पर जले हुए तार और राख पड़ी मिली, जिससे स्पष्ट हुआ कि चोर तांबा निकालने के लिए तार जलाकर ले गए। लगातार हो रही चोरियों से किसानों में भारी रोष व्याप्त है। किसानों ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पूर्व अप्रैल 2025 में भी नलकूपों पर चोरी की वारदात हुई थी, लेकिन उस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी। किसानों का कहना है कि सिंचाई के महत्वपूर्ण समय में इस प्रकार की घटनाएं उनकी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। मोटर और केबल चोरी हो जाने से सिंचाई कार्य बाधित हो जाता है, जिससे गेहूं व अन्य फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। घटना की सूचना पर पहुंची शहर कोतवाली पुलिस, सर्विलांस और विशेष अभियान समूह की टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया है कि जल्द ही चोरी की घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और नलकूपों की सुरक्षा के ठोस इंतजाम करने की मांग की है।

इंडो-अमेरिका एग्रीमेंट के विरोध से पहले किसान सेना के राष्ट्रीय प्रवक्ता विक्रांत चौधरी नजरबंद

शामली (शिखर समाचार) पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत 22 फरवरी को किसान सेना द्वारा मोइद्दीनपुर पहुंचकर इंडो अमेरिका एग्रीमेंट के विरोध में प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपने की घोषणा की गई थी, लेकिन कार्यक्रम से एक दिन पहले ही पुलिस ने संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता विक्रांत चौधरी को उनके लिलौन स्थित आवास पर नजरबंद कर दिया। रविवार देर रात की गई इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई।

किसान सेना ने इंडो अमेरिका एग्रीमेंट को किसान हितों के प्रतिकूल बताते हुए इसके विरोध में ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया था। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, मोइद्दीनपुर में शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा जाना था। हालांकि, कार्यक्रम से पहले ही पुलिस ने एहतियातन कदम उठाते हुए विक्रांत चौधरी को उनके घर पर ही रोक दिया। नजरबंदी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए विक्रांत चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञापन देकर विरोध जताने से रोकना सरकार की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता को दशार्ता है। उनका कहना था कि किसान सेना पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने जा रही थी, फिर भी प्रशासन द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। विक्रांत चौधरी ने कहा कि किसान सेना इंडो अमेरिका एग्रीमेंट का कड़ा विरोध करती है और उनका मानना है कि यह समझौता देश के किसानों के हितों के विपरीत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन भविष्य में भी सरकार की कथित गलत नीतियों के खिलाफ आवाज उठाता रहेगा और किसान हितों की रक्षा के लिए हर लोकतांत्रिक माध्यम अपनाएगा। वहीं पुलिस सूत्रों का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया। प्रशासन का दावा है कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या तनाव की स्थिति से बचने के लिए एहतियाती कार्रवाई की गई है। घटना के बाद किसान सेना के कार्यकताओं में रोष व्याप्त है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शांतिपूर्ण विरोध को इसी प्रकार दबाया गया तो वे व्यापक स्तर पर आंदोलन की रणनीति तैयार करेंगे। फिलहाल क्षेत्र में पुलिस बल तैनात है और स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है।

बुढ़ाना में रिलीज हुआ फैजुद्दीन सिद्दीकी का नया गीत मंदिर मस्जिद, इंसानियत का दिया संदेश

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी का नया गीत मंदिर मस्जिद डिजिटल मंचों पर रिलीज कर दिया गया है। गीत के माध्यम से साम्प्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया गया है। रमजान के पवित्र महीने में जारी इस गीत को श्रोताओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। कस्बा निवासी फैजुद्दीन सिद्दीकी के निर्देशन में तैयार किए गए इस गीत को डिजिटल मंच गीत फ्यूजन पर प्रस्तुत किया गया है। गीत की विषयवस्तु समाज में बढ़ती कटुता के बीच प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को स्थापित करने का प्रयास करती है। मंदिर मस्जिद शीर्षक से ही स्पष्ट है कि यह गीत धर्मों के बीच एकता और आपसी सम्मान का संदेश देता है। गीत में अलमासुद्दीन सिद्दीकी और निशा राजपूत ने अभिनय किया है। दोनों कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से गीत के भाव को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। दृश्यांकन में मंदिर और मस्जिद दोनों प्रतीकों के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि ईश्वर तक पहुंचने के मार्ग भले अलग हों, लेकिन मूल भावना इंसानियत ही है। फैजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। उनका मानना है कि जो व्यक्ति सच्चे अर्थों में अपने मजहब को मानता है, वह इंसानियत को भी उतनी ही शिद्दत से मानता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मजहब के नाम पर मासूमों की हत्या करना आतंकवाद है और इसका किसी भी धर्म से कोई संबंध नहीं है। समाज में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना ही सच्ची इबादत है। उन्होंने कहा कि एक आदर्श समाज वही है, जहां धर्म हमें मानव सेवा का पाठ पढ़ाए और आपसी सौहार्द को बढ़ावा दे। मंदिर मस्जिद गीत के जरिए उन्होंने यही संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया है कि नफरत नहीं, बल्कि प्रेम और सहयोग ही समाज को आगे बढ़ाता है। फैजुद्दीन सिद्दीकी ने यह भी बताया कि जल्द ही उनके निर्देशन में एक नया प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया जाएगा। उनका उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना है। रमजान के पवित्र अवसर पर रिलीज हुआ यह गीत बुढ़ाना सहित आसपास के क्षेत्रों में चर्चा का विषय बना हुआ है और श्रोताओं के बीच भाईचारे का संदेश मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

कपड़े बदलने को लेकर बाजार में बवाल, तीन सगे भाई घायल

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) रेडीमेड कपड़े बदलने को लेकर दुकानदार और महिला ग्राहक के पति के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट में तब्दील हो गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर हुई हाथापाई में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों ने चिकित्सकीय परीक्षण कराकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला लूहारी सराय निवासी मोहम्मद अजगर का पुत्र फरमान कुरैशी विदेश में कार्यरत है और इन दिनों अवकाश पर घर आया हुआ है। बताया जाता है कि उसकी पत्नी ने मोहल्ला पंजाबियान स्थित मीना बाजार में सीमा गारमेंट्स नामक दुकान से लगभग पच्चीस सौ रुपये का सूट खरीदा था। घर पहुंचने पर सूट पसंद न आने पर वह अपने पति फरमान के साथ उसे बदलने के लिए दुकान पर गई। आरोप है कि दुकानदार ने सूट बदलने से इनकार कर दिया, जिस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गाली गलौज और धक्का मुक्की की स्थिति बन गई। इसके बाद फरमान घर लौट आया और अपने भाइयों के साथ पुनः दुकान पर पहुंच गया। इसी दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई, जिससे बाजार में अफरा तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद के दौरान दुकानदार, उसके भाई तथा आसपास के कुछ अन्य दुकानदारों ने मिलकर फरमान और उसके भाइयों इमरान व शाहबान के साथ मारपीट की, जिससे तीनों घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगीना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दुकानदार के भाई सहित चार पांच लोगों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। वहीं घायल तीनों भाइयों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना भेजा गया, जहां उनका चिकित्सकीय परीक्षण एवं उपचार कराया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। बाजार में हुई इस घटना से कुछ समय के लिए व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित रहीं और क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा।

पार्टी विरोधी गतिविधियों पर बसपा ने दो पदाधिकारियों को किया निष्कासित

बिजनौर (शिखर समाचार) बहुजन समाज पार्टी ने अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में अपने दो पदाधिकारियों को संगठन से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई पार्टी हित और संगठनात्मक अनुशासन को ध्यान में रखते हुए की गई है।

पार्टी के मण्डल संयोजक (भाईचारा मुस्लिम समाज) आदिल चौधरी तथा पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार को लंबे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने और संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन करने के आरोप में बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष डीपी सिंह रवि ने बताया कि दोनों नेताओं को कई बार मौखिक और लिखित रूप से चेतावनी दी जा चुकी थी, लेकिन उनके व्यवहार और कार्यशैली में कोई सुधार नहीं आया।

जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पार्टी के सिद्धांतों, नीतियों और आंदोलन के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। संगठन की मयार्दा बनाए रखना प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। चेतावनी के बावजूद अनुशासनहीनता जारी रहने के कारण पार्टी नेतृत्व ने कड़ा निर्णय लेते हुए दोनों को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है और भविष्य में भी यदि कोई पदाधिकारी या कार्यकर्ता संगठन विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया गया तो उसके विरुद्ध इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रज्ञान परिवार की बड़ी उपलब्धि : शाहपुर कलां में वार्षिकोत्सव उद्भव नई शुरूआत का उत्सव का भव्य आयोजन

जेवर/शाहपुर कलां/बुलंदशहर (शिखर समाचार) प्रज्ञान पब्लिक स्कूल जेवर के ध्वज तले संचालित आर.के. एकेडेमी शाहपुर कलां में रविवार को वार्षिकोत्सव उद्भव नई शुरूआत का उत्सव हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। माध्यमिक स्तर पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की मान्यता प्राप्त होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह ने विद्यालय की शैक्षिक यात्रा में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के पारंपरिक स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका शर्मा, प्रज्ञान ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, विद्यालय प्रबंधक सुभाष शर्मा तथा प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार (प्रधान निजी सचिव, भारत सरकार, रेल मंत्रालय) एवं विशिष्ट अतिथि सुनील दत्त मुदगल (खंड शिक्षा अधिकारी, जवाँ अलीगढ़) सहित अन्य गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ, पादप स्मृति-चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया। विशेष आकर्षण के रूप में पद्मश्री से सम्मानित बुंदेलखंड के सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं पर्यावरणविद् उमा शंकर पांडेय, जिन्हें पानी के पहरेदार के नाम से जाना जाता है, की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष ऊँचाई प्रदान की।

विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना और गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की मंगलमयी शुरूआत की। स्वागत गीत ने अतिथियों का अभिनंदन किया। फॉरगॉटन इंडियन हीरो प्रस्तुति के माध्यम से गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नन्हे बच्चों की कविताओं और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभागार को तालियों से गूंजा दिया। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि सीबीएसई मान्यता प्राप्त होना केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि हमारी शैक्षिक गुणवत्ता, अनुशासन और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने उद्भव को नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर होने का संकल्प बताया।

डॉ. दीप्ति शर्मा ने आर.के. एकेडेमी की उपलब्धि को प्रज्ञान परिवार के लिए गौरव का विषय बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता की नई मिसाल स्थापित करेगा। सुभाष शर्मा ने इसे समर्पित टीमवर्क और सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। सुनील दत्त मुदगल ने विद्यालय की व्यवस्थाओं और अनुशासन की प्रशंसा की। समारोह में गजेंद्र सिंह मीणा (अध्यक्ष नगर पंचायत जहाँगीरपुर), राजबाबू शर्मा (अध्यक्ष नगर पंचायत पिसावा), सुदेश कुमार (प्रधान नार मोहम्मदपुर), उत्तम सिंह (भारतीय किसान यूनियन), कुलभूषण शर्मा (प्रधानाचार्य पब्लिक कॉलेज जहाँगीरपुर), ऋषिपाल शर्मा (गाजियाबाद), चंद्र प्रकाश शर्मा (बीएसआर), राजीव प्रताप सिंह (प्रधान भदवा), राकेश (सहकारी बैंक सौदा), खिल्लू (सौदा), राकेश चौधरी (भट्टा), टेकचंद (प्रधान, छपना) सहित क्षेत्र के उद्योगपति, मीडिया प्रतिनिधि, अभिभावक एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उद्भव नई शुरूआत का उत्सव ने न केवल विद्यालय की उपलब्धि का उत्सव मनाया, बल्कि क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति नई आशा, विश्वास और प्रेरणा का संचार भी किया।

जिला अस्पताल में प्रोजेक्ट अमृत के तहत चला स्वच्छता अभियान, सैकड़ों सेवादारों ने की सेवा

शामली (शिखर समाचार) जिला अस्पताल परिसर में शनिवार को प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें संत निरंकारी मंडल ब्रांच शामली के सैकड़ों सेवादारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान मिशन के संस्थापक निरंकारी बाबा हरदेव सिंह के उस संदेश को समर्पित रहा, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रदूषण चाहे बाहरी हो या आंतरिक, दोनों ही मानव जीवन के लिए हानिकारक हैं। उनके इसी प्रेरणादायी संदेश के आधार पर वर्ष 2003 में विश्वव्यापी स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई थी। वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से देशभर में अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक पार्कों में नियमित रूप से स्वच्छता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। निरंकारी बाबा हरदेव सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस अभियान का मुख्य केंद्र जिला अस्पताल रहा। प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक चले इस विशेष अभियान के दौरान ओपीडी भवन, शौचालय, नशा मुक्ति केंद्र, पार्क परिसर तथा जच्चा बच्चा अस्पताल सहित विभिन्न भवनों की गहन सफाई की गई। सेवा कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सभी सेवादारों ने निरंकार प्रभु से सामूहिक प्रार्थना की और शहर एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ ली। अभियान के दौरान ब्रांच मुखी राजकुमार, महावीर, रामप्रसाद, मास्टर विजय, बाबूराम, बहन बीना, सीमा, माता बिंदु, सोनू, राजू सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

नमो भारत ट्रेन के पूर्ण खंड का उद्घाटनः नए भारत की रफ्तार और संवाद की दिशा

22 फरवरी 2026 का दिन देश के आधारभूत ढांचे और लोकतांत्रिक संवाद दोनों ही दृष्टियों से विशेष महत्व रखता है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमो भारत ट्रेन के पूरे खंड का उद्घाटन कर उस सपने को साकार रूप दिया है, जिसकी परिकल्पना वर्षों पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को तेज, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था से जोड़ने के लिए की गई थी। यह केवल एक रेल परियोजना का लोकार्पण नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती विकास दृष्टि, शहरी गतिशीलता की नई सोच और समय की कीमत को समझने वाले शासन का प्रतीक है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री का मासिक रेडियो संवाद कार्यक्रम मन की बात भी प्रसारित हुआ, जिसमें उन्होंने विकास, जनभागीदारी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में देशवासियों से संवाद किया। दोनों घटनाएँ मिलकर यह संकेत देती हैं कि आज का भारत केवल निर्माण नहीं कर रहा, बल्कि संवाद और सहभागिता के माध्यम से अपने भविष्य को गढ़ रहा है।

नमो भारत ट्रेन परियोजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जा रही है। दिल्ली से लेकर मेरठ तक विस्तारित इस कॉरिडोर ने लाखों यात्रियों के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करने की क्षमता प्राप्त कर ली है। अब तक चरणबद्ध तरीके से चालू किए गए खंडों के बाद आज पूरे कॉरिडोर के उद्घाटन के साथ यह परियोजना पूर्ण रूप से संचालित हो गई है। इससे न केवल यात्रा समय में भारी कमी आएगी, बल्कि सड़क यातायात पर दबाव भी कम होगा। प्रदूषण में कमी, ईंधन की बचत और उत्पादक समय में वृद्धि ये सभी लाभ इस परियोजना को केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण बनाते हैं। प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि भारत अब योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि समयबद्ध और गुणवत्ता युक्त क्रियान्वयन पर जोर दे रहा है। पिछले एक दशक में देश ने एक्सप्रेस वे, मेट्रो नेटवर्क, हवाई अड्डों और रेलवे आधुनिकीकरण के क्षेत्र में जो गति पकड़ी है, वह अब क्षेत्रीय तीव्र रेल प्रणाली के रूप में नए आयाम छू रही है। नमो भारत ट्रेन की उच्च गति, अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली और विश्वस्तरीय स्टेशन अवसंरचना यह दर्शाती है कि भारत वैश्विक मानकों के अनुरूप अपनी परिवहन व्यवस्था को ढालने में सक्षम हो चुका है।

इस अवसर पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नागरिकों को इस उपलब्धि का भागीदार बताया। उन्होंने यह रेखांकित किया कि विकास केवल सरकार की परियोजनाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सहभागिता से पूर्ण होता है। स्वच्छता, स्थानीय उत्पादों के उपयोग, नवाचार और युवाओं की भूमिका जैसे विषयों को जोड़ते हुए उन्होंने विकास को जनआंदोलन का रूप देने की बात कही। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि आधारभूत संरचना तभी सार्थक होगी जब समाज उसके प्रति जिम्मेदारी और स्वामित्व की भावना रखेगा। हालांकि, इस उपलब्धि के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठते हैं। क्या इस परियोजना का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचेगा? क्या किराया संरचना मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए सहज होगी? क्या अंतिम मील कनेक्टिविटी को भी उतनी ही प्राथमिकता दी जाएगी जितनी मुख्य कॉरिडोर को दी गई है? विकास का वास्तविक अर्थ तभी पूर्ण होगा जब यह समावेशी हो।

~ मौलिक चिंतन ~

अच्छे लोगों की चुप्पी गलत लोगों के हौसले बढ़ाती है, अनीति को जन्म देती है।

© विनय संकोची

गिरगिट से ज्यादा तेज गति से रंग बदलते हैं ट्रंप

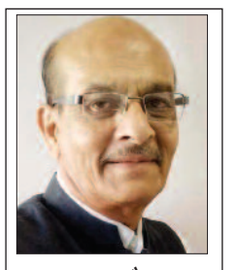

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। पिछले एक वर्ष में जिस तरह से उन्होंने निर्णय लिए हैं उनके निर्णय के कारण जिस तरह की अनिश्चित अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है, उसके बाद लोग यह कहने लगे हैं, कि गिरगिट भी देर से रंग बदलता है लेकिन ट्रंप उससे जल्दी रंग बदल लेते हैं। हाल ही में अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों के ऊपर जो टैरिफ लगाए गए थे उसे निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैधानिक माना है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया फैसला लिया, जिसमें 10 फीसदी टैरिफ को लगाने का फैसला किया था। अदालत के फैसले के कुछ ही घंटे के बाद उन्होंने शुक्रवार को 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन शनिवार को उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया। 24 फरवरी से 24 जुलाई तक सभी देशों की अलग-अलग दरों के स्थान पर अगले 150 दिन अर्थात 15 जुलाई तक 15 फीसदी टैरिफ वसूल किया जाएगा। इसका असर भारत पर भी पड़ने जा रहा है। भारत के फार्मा और पेट्रो पर तीन फीसदी टेरिफ लगेगा लेकिन बाकी सभी चीजों पर अब 15 फीसदी टैरिफ अमेरिका में जो भी माल भेजा जाएगा उस पर लगेगा। भारत के संबंध में बात की जाए तो पहले उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ लगाया, 2 फरवरी को अंतरिम ट्रेड डील पर सहमति जताते हुए टैरिफ को 18 फीसदी किया था। उसके बाद 10 फीसदी टैरिफ लगाया गया। अब उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह की अनिश्चितता अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में देखने को मिल रही है उसमें भले अभी ट्रंप को कुछ फायदा हो रहा हो लेकिन जिस तरह से अमेरिका की साख को बट्टा लग रहा है उसके बाद सारी दुनिया में यह धारणा बनने लगी है अमेरिका को जिस दिशा में डोनाल्ड ट्रंप ले जाना चाहते हैं। उसके कारण अमेरिका कुछ ही महीना में बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिए जा रहे हैं इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अमेरिका के ऊपर ही पड़ रहा है। अमेरिका में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी से विभिन्न देशों ने अपना सोना और बांड के रूप में जमा राशि को निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिका की जो विश्व में साख पिछले कई दशकों में बनी हुई थी वह तार-तार हो गई है। कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारों को अमेरिका के ऊपर भरोसा नहीं रहा, जिसके कारण अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानकर उन्होंने वैकल्पिक तरीके से सारी दुनिया के देशों से जो 15 फीसदी टैक्स एक जजिया-कर की तरह वसूल करने की कोशिश की है, वह अपने निर्णय के माध्यम से दबाव बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में अपने परिवार और पारिवारिक कंपनियों को जो लाभ पहुंचाना चाहते हैं उसकी यह रणनीति चर्चा का विषय बन गई है।

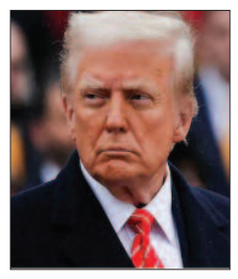

कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारें अमेरिका से दूरी बनाने लगी है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी आंतरिक चुनौतियों राजनीतिक आधार पर बनना शुरू हो गई हैं। सड़कों पर उनका विरोध शुरू हो गया है। विभिन्न राज्यों में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय व्यवस्था को खत्म करने और डिक्टेटर वाले निर्णय लेने से बगावत जैसी स्थिति देखने को मिलने लगी है। अमेरिका कभी पूरी दुनिया का नेतृत्व करता था लेकिन अब यह स्थिति बदलती हुई दिख रही है। रूस, चीन जैसे देश अमेरिका के समानांतर एक नई वैकल्पिक व्यापारिक व्यवस्था विकसित करने की बात कर रहे हैं। वैकल्पिक मुद्रा तैयार कर रहे हैं। जिसको दुनिया के अन्य देशों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। अभी तक अमेरिका को जो डॉलर के कारण कमाई हो रही थी अब वह कमाई भी खतरे में पडती हुई दिख रही है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्दबाजी में है। उनके कार्यकाल का एक वर्ष एक माह लगभग खत्म हो चुका है उनके लिए 2 वर्ष और 11 में शेष हैं। इस बीच में वह अपने परिवार और अपने लिए वह सब कुछ कर लेना चाहते हैं जो वह सोचते हैं। लेकिन यह संभव नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों के कारण अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में उनका विरोध बढ़ता चला जा रहा है। व्यापार और संबंध मैं विश्वास होना जरूरी होता था। वह विश्वास डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर देखने को नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक होकर मनमाने फैसले ले रहे हैं उसके बाद यह माना जा रहा है कि जल्द ही उनके खिलाफ अमेरिका में विद्रोह शुरू हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जिद्दी हैं। यह उनका व्यक्तिगत दुर्गुण है, जिसका खामियाजा आगे चलकर अमेरिका को चुकाना पड़ेगा। इसमें अब कोई संदेह नहीं रहा।

एक पृथ्वी, एक मानवताः शांति और समझ का वैश्विक संकल्प

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, साझा प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि ह्यरोटरीह्ल नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरूआत में इसे ह्यशांति दिवसह्ल नहीं कहा जाता था। इसका नाम ह्यरोटरीह्ल इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और यही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी।

इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल युद्ध का न होना नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुँच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी(रोटरी इंटरनेशनल) शुरूआत की थी।पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही ह्यविश्व शांति और समझ दिवसह्ल के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं।

यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो सर्विस अबूव सेल्फ (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा-भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएँ शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा।

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निमार्ताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूवार्नुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूवार्नुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ह्यमानवता केंद्र मेंह्ल का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकताओं और नीति-निमार्ताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तनावग्रस्त प्रेगनेंट महिला के शिशु को एलर्जी का खतरा

गर्भावस्था में मां के आचार-विचार का भावी शिशु पर असर पड़ने की बात यूं ही नहीं कही जाती। अब डाक्टरों ने एक नए शोध के आधार पर बताया है कि गर्भावस्था में तनावग्रस्त रहने वाली महिलाओं के नवजात शिशुओं के दमा या एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका अधिक रहती है। अमेरिकन थोराइसिस सोसायटी इंटरनेशनल कांफ्रेंस टोरंटो में पेश की गई अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान तनाव में रहती हैं उनके शिशुओं के दमे और एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका बढ़ जाती है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की प्रमुख शोधकर्ता डा. रोसालिन राइट कहती हैं कि इस शोध से उन सबूतों को और बल मिला है कि मां के मानसिक तनाव का शिशु पर गहरा असर पड़ता है। किसी भी प्रकार का तनाव गर्भावस्था के दौरान भी बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। शोध से यह संकेत मिलता है कि जन्म से पहले तनाव की चपेट में आने वाले बच्चे पिस्सू से उत्पन्न होने वाली एलर्जी आदि के प्रति जल्दी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। डॉ. राइट ने कहा कि यह शोध इस अवधारणा को पुष्ट करता है कि तनाव भी एक सामाजिक प्रदूषक है जो शरीर में पैदा होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। गर्भावस्था के दौरान मस्त रहने वाली माताएं ऐसे शिशुओं को जन्म देती हैं जिनमें ई या आईजी ई का उच्च स्तर होता है जो एक रोग प्रतिरोधक प्रणाली है।

पुरुषों में बढ़ रहे हैं स्तन कैंसर के मामले

पुरूषों में स्तन कैंसर सुनने में जरूर कुछ अटपटा सा लग सकता है लेकिन कैंसर विशेषज्ञों का दावा है कि महिला स्तन कैंसर की ही तरह अब पुरूष भी इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं और देश में पुरूषों में यह एक प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक और जाने माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से पुरूषों में भी स्तन कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं और इनमें एक प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके कारण का अभी तक पूरी तरह पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा समझा जा रहा है कि जीवनचर्या में तेजी से आ रहा परिवर्तन और हार्मोन में बदलाव भी प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि अभी यह संख्या बहुत कम है। इसलिए इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जहां तक इसके प्रारंभिक लक्षणों का सवाल है, जब स्तर कैंसर की शुरूआत होती है तो पुरूषों में स्तन के निप्पल का आकार बड़ा हो जाता है और एक गांठ बन जाती है जिसका रंग लाल होने लगता है और उसको दबाने से दर्द होने लगता है।

यह पूछे जाने पर कि पुरूष स्तन कैंसर किन किन कारणों से होता है, इसी संस्थान की स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. के गीता ने कहा कि पुरूष स्तन कैंसर किन कारणों से होता है अभी निश्चित रूप से इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता है। आज इस दिशा में दुनियाभर में तेजी से अनुसंधान चल रहे है ताकि इस रोग का समय रहते उपचार किया जा सके।

एक प्रश्न के उत्तर में डा. चतुर्वेदी ने कहा कि जहां तक भारत में महिला स्तन कैंसर का सवाल है यह एक सामान्य कैंसर है लेकिन जीवनचर्या में तेजी से आ रहे परिवर्तन के कारण आज देश में स्तन कैंसर के मामलों में 5-10 प्रतिशत वृद्धि हो रही है और यदि यह स्थिति जारी रही तो वर्ष 2020 तक देश में स्तन कैंसर के मामलों में 200 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि हम सहस्त्राब्दि लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं तो हमें महिला और पुरूष दोनों के स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों को रोकने और इसके बचाव के लिए एक रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि देश में महिला स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता की भारी कमी है। यदि शुरूआती अवस्था में ही स्तन कैंसर का पता चल जाए तो इसका कारगर इलाज हो सकता है। जाने माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. समीर कौल ने इस संबंध में कहा कि हार्मोन असंतुलन और जीन में बदलाव आने के कारण अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले पुरूष स्तन कैंसर रोगियों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। आमतौर पर देखने में आया है कि पुरूष इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि महिला स्तन कैंसर की अपेक्षा पुरूष स्तन कैंसर अधिक घातक माना जाता है।

हेल्थ प्लस

मां के मोटापे का असर बच्चों पर दिखता है ज्यादा

मोटापे की शिकार महिलाएं न सिर्फ इस व्याधि को अपने बच्चों तक पहुंचाती हैं बल्कि इन बच्चों में मांसपेशियां भी कम होती है। अमेरिका स्थित आक्लाहोमा विश्वविघालय के स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र के डा. डेविड ए. फील्ड के नेतृत्व में किए गए शोध में यह बात सामने आई है। शोध में यह भी पाया गया कि वैश्विक स्तर पर खासकर उत्तरी अमेरिका और यूरोप में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में वजन बढ़ने की समस्या बढ़ रही है। इसके फलस्वरूप इनके पैदा होने वाले बच्चे का वजन तो चार किग्रा या इससे भी ज्यादा होता लेकिन मांसपेशियां कम होती है। शोध में पाया गया कि मोटापे की समस्या के साथ जन्म लेने वाले बच्चे इसी के साथ बड़े भी होते हैं और इस कारण से जवानी की दहलीज तक पंहुचते ही इनमें मधुमेह सहित अन्य व्याधियां पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

फल व सब्जियां लाभदायक आंखों के लिए

फलों व सब्जियों के सेवन से हुए लाभों में अब एक नया लाभ और जुड़ गया है। हाल ही में विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध के अनुसार एक्यूट माक्यूलर डिजनेरेशन (ए.एम.डी.) नामक आंखों की बीमारी जिससे अंधापन हो जाता है, की संभावना को भी फलों एवं सब्जियों का सेवन कम करता है। अधिकतर फलों व सब्जियों में ल्यूटिन, जियाएक्सानथिन नामक पिगमैंट पाए जाते हैं। ये पिगमैंट आंखों को नीली रोशनी के प्रभाव से बचाते हैं तथा हमारी आंखों की देखने की शक्ति सुरक्षित रहती है। वृद्धावस्था में इस पिगमैंट का स्तर कम होता है जिससे दिखाई देना बंद हो जाता है।

बुजुर्गों के लिए अच्छे हैं खर्राटे

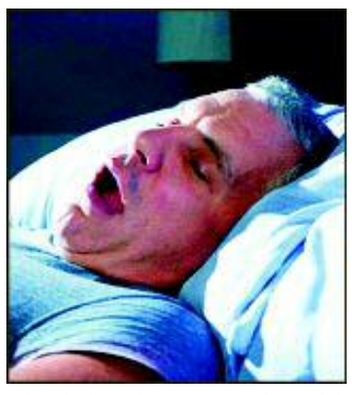

यदि आप मानते हैं कि खर्राटा लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो आपको दुबारा सोचना चाहिए, क्योंकि एक ताजा अध्ययन से पता चला है कि सोते हुए खर्राटा भरने और नाक से आवाज निकलने वाले लोग, विशेषकर बुजुर्ग लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जीते हैं।

इस्राइल में हुए शोध में पाया गया है कि खर्राटे की बीमारी से मुक्त लोगों की अपेक्षा 65 साल से अधिक आयु के उन लोगों, जिनमें खर्राटा संबंधित बीमारी 'स्लीप एपनिया' होती है, उनके चिरायु होने की संभावना अधिक होती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह हिपोक्सिया में छेद के कारण होता है, जो सांस लेने में आने वाली बाधा है। यह बुजुर्गों के कार्डियोवास्कुलर तंत्र को दुरूस्त करते हुए ऑक्सीजन की कमी को दूर कर रक्षात्मक प्रभाव डालता है। दिल के दौरे के समय जब ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होती है, उस समय शरीर उससे निपटने में अधिक सक्षम होता है। 'डेली मेल' के अनुसार अध्ययन में पाया गया है कि स्लीप अपोनिया का युवाओं पर इसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ता है, ऐसा इसलिए है क्योंकि दिल की बीमारी का जोखिम प्रौढ़ व्यक्तियों को अधिक होता है। टेक्नियोन संस्थान क शोधकर्ताओं ने चार वर्षों की अवधि में छह सौ से अधिक बुजुर्ग लोगों के विश्लेषण के आधार पर अपना निष्कर्ष दिया है, जिनमें स्वस्थ स्वयंसेवकों के समूह की अपेक्षा दिल की बीमारी से संबंधित कम मौते हुई। शोध के नतीजों को ग्लास्गो में यूरोपीय एसोसिएशन फार स्लीप रिसर्च की बैठक में पेश किया गया।

गैचेट ऑन तो बैकपेन गॉन

कमरदर्द के कारण कई तरह की परेशानियां झेल रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। एक गैजेट निर्माता ने दावा किया है कि उसका गैजेट दो हफ्ते के भीतर ही बैकपेन से मुक्ति दिला देगा। बैंडेज की तरह दिखने वाले इस गैजेट को कमर से सटाकर बांधना होगा। यह कमर के पोस्चर को ठीक करने में मददगार साबित होता है। इस आई-पोस्चर डिवाइस को कमर पर लगाकर एक मिनट में तीन डिग्री के मोशन के लिए सेट करना होता है। उसके बाद यह वाइब्रेट होना शुरू हो जाता है।

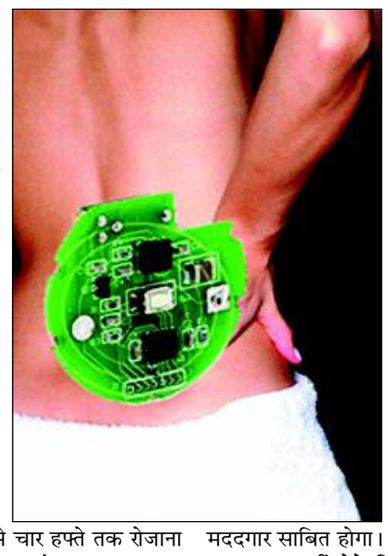

यह वाइब्रेशन तब तक जारी रहता है जब तक कि कमर एकदम सीधी न हो जाए। छाती बाहर की आर और सिर स्थिर। दसअसल, यह डिवाइस प्रयोगकर्ताओं को यह बताएगी कि उनकी कमर अब बिल्कुल सीधी अवस्था में है। कमर को सीधी रखने की आदत में ढलने के लिए गैजेट को दो से चार हफ्ते तक रोजाना चार घंटे इस्तेमाल करना पड़ सकता है। एक बार कमर सीधी रखने की आदत पड़ने के बाद इस गैजेट का इस्तेमाल जरूरी नहीं है। इस गैजेट में एक माइक्रोचिप लगी है, जो प्रत्येक सेकेंड में कमर की मूवमेंट को मॉनीटर करेगी। इसमें लगा विशेष सॉफ्टवेयर फिलटर गलत मुद्राओं के बारे में सूचित करेगा, जो आई-पोस्चर को शरीर की कई मुद्राओं को ग्रहण करने के बारे में भी जानकारी देगा। इसे बैठते, चलते समय इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गैजेट ऐसे लोगों के लिए खासा मददगार है, जो घंटों कंप्यूटर के सामने बैठते हैं। इस गैजेट से संबंधित शोध के नतीजे बताते हैं कि यह कमर की स्थिति को लेकर काफी कारगर है और पुरूषों में खासा सफल रहा है। जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, जो महिलाएं अपनी कमर की मुद्रा को सुधार लेती हैं, उनकी कमर की मोटाई भी दो इंच तक घट सकती है। ऐसी महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस फ्रैक्चर की संभावना भी कम हो जाती है। इस गैजेट को बनाने वाले न्यूरोलॉजिस्ट और पैन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डा. मोआकिर शूनैप का मानना है कि उनका आविष्कार कमर की स्थितियों को सुधारने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा, 'दरअसल, हम इस आर ध्यान नहीं देते कि कमर की मुद्राएं हमें प्रभावित करती हैं। जो कि बेहद जरूरी है। गैजेट का इस्तेमाल करने के साथ-साथ नियमित एक्सरसाइज भी करनी होगी। सुधार दिखने के बाद भी कुछ हफ्तों तक गैजेट का प्रयोग करें, यह उनकी कमर की स्थिति सुधारने में मददगार होती है।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु — ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3809

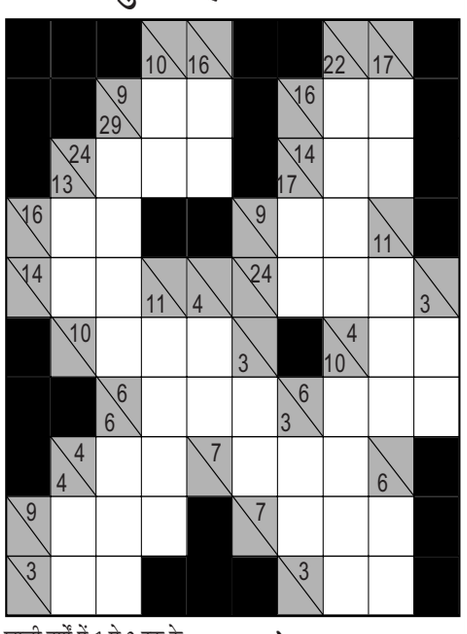

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3808 का हल

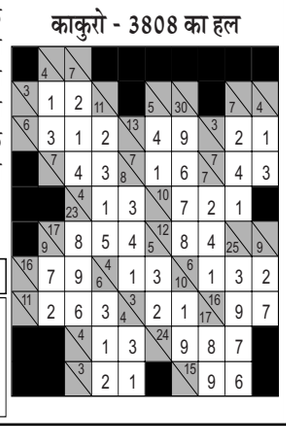

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3809

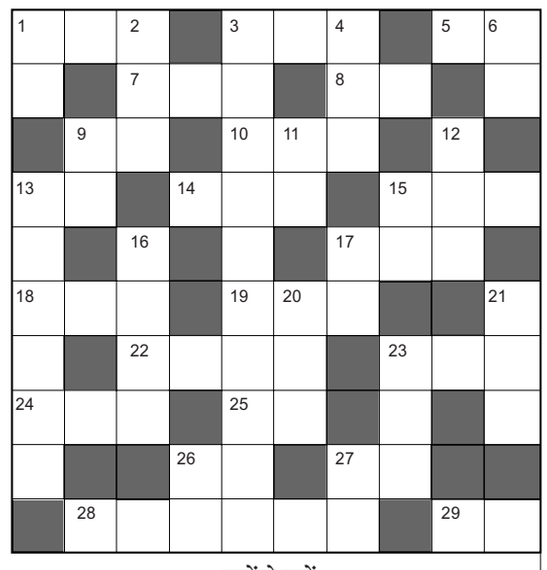

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3808

सं	न्या	सी		ह	मे	श		खौ	फ
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		र्ज
	रे		र		सौ	दा		त्रि	
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		व	
म	हा	न		गृ		द	म		मा
णि			प्र	ति	का	र		ज	या
	फ	र	हा		लि			मा	
यँ	की		र	जि	या	सु	त्ला	न	
	रा	खी		स्म		र		त	ब्बू

सूडोकु -3809

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3808 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3809

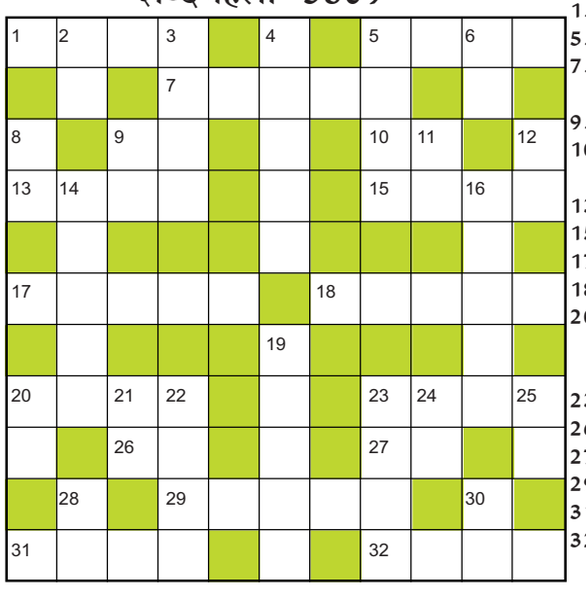

बाएँ से दाएँ

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3808 का हल

क	ल	ह		म		प	र	दा	न	शी
पू		क	ल	श		छ	बी	ल		त
त	ल			व		ता			सा	ल
	ल		धा	रा	प्र	वा	ह		व	
म	क	ब	रा		था		म	हा	न	ता
			वा	दा		मा	स			
ह	म	रा	ही		पा		फ	र	मा	न
	यू		क	हा	नी	का	र		य	
ख	र			थी		र			का	न
प		ब	र	खा		ना	र	द		य
न	र	स	खा	ना		मा		म	न	न

बीयर उद्योग उत्तर प्रदेश में 5,500 करोड़ का निवेश करेगा

- 2,000 करोड़ के निवेश वाले दो बड़े एल्युमीनियम कैन उत्पादन संयंत्र पाइपलाइन में

नई दिल्ली ।

ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने घोषणा की है कि बीयर उद्योग अगले तीन साल में उत्तर प्रदेश में नई इकाइयों और सहायक सुविधाओं में लगभग 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। बीएआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उद्योग राज्य में बड़ा दांव लगा रहा है और नई आबकारी नीति को प्रगतिशील बताते हुए इसका स्वागत किया है। अे धिकारी ने कहा कि 1,500 करोड़ रुपये की लागत वाली दो नई ब्रूअरीज पर काम पहले से ही चल रहा है। इसके अलावा, 2,000 करोड़ रुपये के निवेश वाले दो बड़े एल्युमीनियम कैन उत्पादन संयंत्र पाइपलाइन में हैं। इसी तरह, 2,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कुछ ग्लास उत्पादन इकाइयाँ भी जल्द शुरू होंगी। इसके अतिरिक्त माल्टिंग और पेपर बॉक्स निर्माण इकाइयों की योजना भी तैयार की जा रही है। बीएआई के अनुसार इन सभी निवेशों से न केवल उद्योग को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में नई नौकरियों का सृजन भी होगा। यह निवेश उत्तर प्रदेश को बीयर उद्योग में एक प्रमुख केंद्र बनाने में मदद करेगा। बीएआई तीन प्रमुख कंपनियों - यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड (यूबीएल), एबीइनबेवऔर कार्ल्सबर्ग का प्रतिनिधित्व करती है। ये कंपनियां भारत में बिकने वाली कुल बीयर का 85 प्रतिशत नियंत्रित करती हैं और देश में 55 से अधिक ब्रूअरीज संचालित करती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति लागू की है। बीएआई के मुताबिक यह नीति लाइसेंसिंग और मंजूरी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाती है और कराधान, वितरण और लाइसेंसिंग के नियम स्पष्ट करती है।

अदाणी गंगावरम पोर्ट में लौह अयस्क ब्लेंडिंग और सेज के लिए साझेदारी

एपीएसईजेड, एनएमडीसी और वेले ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने अपनी अनुषंगी कंपनी अदाणी गंगावरम पोर्ट लिमिटेड के माध्यम से गंगावरम बंदरगाह पर लौह अयस्क मिश्रण (ब्लेंडिंग) सुविधा और समर्पित विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) विकसित करने के लिए एनएमडीसी लिमिटेड और ब्राजील की वेले एसए के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की भारत यात्रा के दौरान नयी दिल्ली में आयोजित भारत-ब्राजील व्यापार मंच सम्मेलन में किया गया। समझौते के तहत तीनों पक्ष मिलकर लौह अयस्क मिश्रण, मूल्य वर्धन और इसके वाणिज्यिकरण के लिए सेज आधारित पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करेंगे। परियोजना का लक्ष्य भारत के पूर्वी तट पर खनिज प्रसंस्करण और निर्यात क्षमता को बढ़ाना है, जिससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थिति में आए। प्रस्तावित विकास के बाद गंगावरम बंदरगाह की क्षमता 7.5 करोड़ टन तक बढ़ जाएगी और यह लौह अयस्क का प्रमुख निर्यात केंद्र बनेगा।

एपीएसईजेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी एक भविष्य के लिए तैयार और टिकाऊ ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि आधुनिक बंदरगाह क्षमता और उच्च गुणवत्ता वाले खनिज लॉजिस्टिक्स को एकीकृत कर उद्योग की जरूरतों का समर्थन किया जाएगा और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान होगा। इस पहल से भारत-विशेषकर पूर्वी तट- पर लौह अयस्क मूल्य श्रृंखला को मजबूत किया जाएगा। साथ ही यह साझेदारी भारत और ब्राजील के बीच वैश्विक खनिज व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद करेगी।

फरवरी के आखिरी हफ्ते में निवेशकों के लिए डिविडेंड का अवसर

- छह बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को इंटरिम डिविडेंड देंगी

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए फरवरी का आखिरी हफ्ता खास रहने वाला है। छह बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को इंटरिम डिविडेंड देने जा रही हैं। डिविडेंड का मतलब है कि कंपनी अपने मुनाफे का एक हिस्सा निवेशकों को नकद के रूप में देती है। यदि आपके पास शेयर एक्स-डेट से पहले हैं, तो आप डिविडेंड के हकदार होंगे।

सोमवार को पहला नंबर है पीआई कंपनी का। कंपनी का सिक्योरिटी कोड 523642 और सिक्योरिटी नेम पीआईआईएनडी है। कंपनी ने 23 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। कंपनी 5 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। 24 फरवरी को एक्स-डेट पर ट्रेड करेगी। रिकॉर्ड डेट भी 24 फरवरी ही है। कंपनी ने 22 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह इस सूची में सबसे ज्यादा प्रति शेयर डिविडेंड है। 25 फरवरी को एनबीसीसी की बारी है। कंपनी ने 0.1200 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 25 फरवरी तय की गई हैं। 26 को स्टार्टमांट कंपनी एक्स-डेट पर जाएगी। कंपनी 0.1000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। रिकॉर्ड डेट भी 26 फरवरी ही है। 27 फरवरी को दो कंपनियां एक साथ एक्स-डेट पर ट्रेड करेंगी। पहली है धनसेरी। कंपनी ने 3.5000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 27 फरवरी तय की गई हैं। इसकी रिकॉर्ड डेट भी 27 फरवरी है।

अब एनएसई पर 1000 गुना बढ़ जाएगी ट्रेडिंग की रफ्तार

- 10 करोड़ ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड की क्षमता

मुंबई ।

देश का प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आफ इं डिया 11 अप्रैल से अपने ट्रेडिंग सिस्टम को नैनोसेकंड स्तर पर अपग्रेड करने जा रहा है। यह घोषणा एक्सचेंज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एसोसिएशन ऑफ एनएसई मेंबर्स ऑफ इंडिया (एएनएमआई) के एक कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि नया सिस्टम मौजूदा स्पीड से करीब 1000 गुना तेज होगा और असली रियल-टाइम फाइनेंस की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। फिलहाल एनएसई का रिस्पॉन्स टाइम लगभग 100 माइक्रोसेकंड है, जिससे एक्सचेंज एक सेकंड में 50 से 60 लाख ट्रांजेक्शन प्रोसेस कर पाता है। अपग्रेड के बाद यह क्षमता बढ़कर लगभग 10 करोड़ (100 मिलियन) ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड हो जाएगी। एक सेकंड में 10 लाख माइक्रोसेकंड होते हैं, जबकि एक नैनोसेकंड सेकंड का अरबवां हिस्सा है। इतनी तेज स्पीड से ऑर्डर मैचिंग और एक्जीक्यूशन में देरी लगभग समाप्त हो जाएगी। जार में अलग-अलग सेगमेंट में ट्रेडिंग गतिविधि लगातार बढ़ रही है। बढ़ते वॉल्यूम को संभालने के लिए एक्सचेंज अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत कर रहा है। वर्तमान में कोलोकेशन में 2000 से अधिक रैक्स हैं, जिन्हें बढ़ाकर 4500 तक ले जाने की क्षमता विकसित की जा रही है। इससे हाई-फ्रीक्वेंसी और बड़े निवेशकों को तेज निष्पादन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इतनी हाई स्पीड के साथ साइबर जोखिम भी बढ़ जाता है। उन्होंने ब्रोकर्स और टेक्नोलॉजी वेंडर्स से साइबर सिक्योरिटी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की, ताकि सिस्टम की स्थिरता और विश्वसनीयता बनी रहे।

सेंसेक्स की छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 63,478 करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंप नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्री पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुल मिलाकर छह कंपनियों ने लाभ कमाया, जबकि चार कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट आई। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 63,478.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में लार्सन एंड टुब्रो, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फ़ाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को लाभ हुआ। वहीं भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मूल्यांकन में गिरावट आई।

सप्ताह के दौरान लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 28,523.31 करोड़ बढ़कर 6,02,552.24 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 16,015.12 करोड़ बढ़कर 11,22,581.56 करोड़ हो गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,617.56 करोड़ बढ़कर 14,03,239.48 करोड़ रुपये और एलआईसी का मूल्यांकन 5,977.12 करोड़ बढ़कर 5,52,203.92 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 3,142.36 करोड़ बढ़कर 6,40,387 करोड़ रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 202.99 करोड़ रुपये बढ़कर 19,21,678.78 करोड़ रुपये हो गया।इस रुख के उलट भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,338.66 करोड़ रुपये घटकर 11,27,705.37 करोड़ रुपये रह गया। ईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 14,632.10 करोड़ रुपये घटकर 9,97,346.67 करोड़ रुपये रह गई।

इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,791.58 करोड़ रुपये घटकर 5,48,496.14 करोड़ रुपये पर

और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 1,989.95 करोड़ रुपये घटकर 9,72,053.48 करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और इन्फोसिस का स्थान रहा।

अरविंदो फार्मा को पेन-जी उत्पादन 10,000 टन तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । हैदराबाद स्थित दवा निर्माता अरविंदो फार्मा अगले 12 महीनों में अपने पेनिसिलिन-जी (पेन-जी) उत्पादन को वार्षिक आधार पर 10,000 टन से अधिक करने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ वित्त अधिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में बताया कि पेन-जी संयंत्र में उत्पादन बढ़ाने का काम उम्मीदों के अनुरूप हो रहा है और आने वाले समय में मुनाफे में महत्वपूर्ण वृद्धि लाने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन स्थित कंपनी का विनिर्माण संयंत्र चौथी तिमाही में कर-पूर्व आय (ऐ बिटा) के घाटे से उबरने की ओर है। आने वाले साल में यह संयंत्र कंपनी के शुद्ध लाभ में महत्वपूर्ण योगदान देगा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा सेज में मौजूद पेन-जी इकाई की कुल उत्पादन क्षमता 15,000 टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकती है। वर्तमान में उत्पादन स्तर स्थिर है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है।

बिजली की बढ़ती खपत से कोयले की मांग में तेजी आने की उम्मीद

- दिसंबर में 6.3 फीसदी बढ़ी, जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी की वजह से मांग बढ़ी

नई दिल्ली । देश में बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते कोयले की मांग आने वाले दिनों में तेज होने की संभावना है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर में बिजली की मांग में नकारात्मक वृद्धि देखने को मिली, लेकिन दिसंबर में यह 6.3 फीसदी बढ़ गई। जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार की वजह से बिजली की खपत बढ़ती रही। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में कोयले की मांग कमजोर बनी हुई है। देश का कोयला क्षेत्र एक अरब टन उत्पादन का रिकॉर्ड बनाने के बाद अचानक मांग में गिरावट का सामना कर रहा है। इससे बड़ी सार्वजनिक कंपनियों और नई वाणिज्यिक खनन कंपनियों की विस्तार योजनाओं में अनिश्चितता पैदा हुई है। एमजंक्शन, जो सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है, 24-25 फरवरी को कोलकाता में 19वां भारतीय कोयला बाजार सम्मेलन कोआलोसेमः द कोल बैटलग्राउंड का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में कोयला, बिजली, सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक्स सहित 36 प्रमुख उद्योगपति अपनी राय साझा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते आने वाले महीनों में कोयले की मांग में मजबूती देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में बदलाव का असर

वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें

मुंबई ।

भारत का शेयर बाजार पिछले सप्ताह तेज बढ़त के साथ बंद हुआ और निवेशकों की निगाहें अब इस सप्ताह पर टिकी हैं। इसका प्रमुख कारण अमेरिका में आयात शुल्कों में हाल ही में हुए बदलाव हैं, जो वैश्विक व्यापार और निवेश धाराओं पर सीधे असर डालते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए ऊंचे आयात शुल्कों को रद्द कर दिया, जिससे वैश्विक बाजारों में नई उम्मीदें जगी हैं। इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को घोषणा की कि सभी देशों के लिए 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत आयात शुल्क लागू होगा, जो 24 फरवरी से प्रभावी होगा। हालांकि, 21 फरवरी को ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है, लेकिन अभी तक इसके लिए कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। इस कदम से वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद, निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें बनी हैं। भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया था। अगर अमेरिकी प्रशासन वास्तव में इस दर को 10-15 प्रतिशत तक कम करता है, तो भारतीय उत्पाद अमेरिका में सस्ते होंगे, जिससे निर्यात बढ़ सकता है। यह स्थिति भारतीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन और विदेशी निवेश प्रवाह के लिए लाभकारी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी आयात शुल्क में संभावित कमी से भारतीय शेयर बाजार में लिवाल निवेशकों की संख्या बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप पिछले सप्ताह की तेजी इस सप्ताह भी जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से उन सेक्टर्स में, जो अमेरिका के निर्यात पर निर्भर हैं, निवेशकों की रुचि अधिक रहेगी।

दीर्घावधि में दोपहिया उद्योग 8-9 फीसदी सालाना बढ़ने की संभावना- टीवीएस मोटर्स

- अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावन

नई दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारत का दोपहिया उद्योग आने वाले वर्षों में सालाना 8-9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना रखता है। उन्होंने यह वृद्धि मुख्य रूप से जीएसटी दरों में कटौती, बुनियादी ढांचे पर निवेश और अर्थव्यवस्था की समग्र वृद्धि से जोड़कर बताया। उन्होंने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि यह उद्योग दीर्घावधि में स्थिर और मजबूत विकास की दिशा में है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही सिर्फ 2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर सकी थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरे वित्त वर्ष में यह वृद्धि लगभग 9 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। जीएसटी कटौती का लाभ उद्योग को मिल रहा है और अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावना है। अे धिकारी ने बताया कि चौथी तिमाही में उद्योग की वृद्धि 15 प्रतिशत से अधिक हो सकती है, जो कि साल के लिए सबसे मजबूत वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में लागू जीएसटी दरों में कटौती का असर अब चौथी तिमाही में स्पष्ट दिखेगा। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क में सुधार और सार्वजनिक परिवहन की चुनौतियों के कारण निजी परिवहन, विशेष रूप से दोपहिया वाहन, ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बने हैं। इसके अलावा, भारत में स्व-रोजगार वाले लोगों का बड़ा हिस्सा इसे खरीद सकते हैं और इसका इस्तेमाल अपने काम और दैनिक परिवहन में कर सकते हैं।

गेवरा खदान अगले साल बनेगी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान

- गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य

कोरबा। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा संचालित गेवरा खदान, भारत की सबसे बड़ी खुली कोयला खदान है। 1981 से संचालित यह खदान देश में कोयले की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एसईसीएल के एक अे धिकारी ने बताया कि गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। वर्तमान वित्त वर्ष में खदान का उत्पादन लक्ष्य 5.6 करोड़ टन है। खदान को अपनी अधिकतम क्षमता 7 करोड़ टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लिए पर्यावरण मंजूरी भी पहले ही मिल चुकी है। अभी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान अमेरिका के व्योमिंग स्थित ब्लैक थंडर खदान है, जो लगभग 6.1-6.2 करोड़ टन कोयला उत्पादन करती है। यदि गेवरा खदान अपना अगला साल का लक्ष्य पूरा करती है, तो यह ब्लैक थंडर को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक खदान बन जाएगी। इसके बाद अमेरिका की नॉर्थ एंटीलोप रोशेल खदान का स्थान आता है। अे धिकारी ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन मौजूद हैं। इसमें शामिल हैं- पर्याप्त भूमि, आधुनिक मशीनरी, कुशल जनशक्ति और ग्राहकों की मजबूत मांग। उन्होंने यह भी बताया कि टीम ने अग्रिम योजना के साथ हर संसाधन को सुनिश्चित कर लिया है।

तेल-तिलहन और कपास बाजार में दबाव, सोयाबीन तेल में मामूली सुधार

अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा

नई दिल्ली ।

सरकार की ओर से पुराने स्टॉक की बिक्री और नयी फसल की आवक शुरू होने से सरसों और सरसों तेल-तिलहन के दाम गिर गए। अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा। महंगे सरसों तेल की खपत तभी बढ़ेगी जब इसका दाम सोयाबीन तेल से 5-7 रुपये प्रति किलो कम होगा। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की कमजोर स्थानीय मांग और सरकारी बिक्री के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। हालांकि, सोयाबीन तेल की आयात कम होने और मांग बने रहने से कीमतों में मामूली सुधार देखा गया। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही, वहीं मजबूत आय वर्ग में साबुत मूंगफली और गुणवत्ता वाले तेल की स्थिर मांग बनी है। मूंगफली की खराब धारणा से बिनौला तेल के दाम भी नीचे गए। मलेशिया एक्सचेंज में तेजी के कारण पाम और पामोलीन के दाम बढ़े। अमेरिकी शुल्क फैसले के रद्द होने का असर अगले सप्ताह स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 235 रुपये की गिरावट के साथ 6,675-6,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 400 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,325-2,425 रुपये और 2,325-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,275-5,325 रुपये और 4,875-4,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,000 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरकारी बिकवाली के दबाव में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही।

पीआई इंडस्ट्रीज ने निवेशकों के लिए घोषित किया 500 फीसदी अंतरिम डिविडेंड

नई दिल्ली । एग्रीकेमिकल कंपनी पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 के लिए 500 फीसदी का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। इसका मतलब है कि 1 रुपये के हर शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। यह फैसला 12 फरवरी को हुई बोर्ड बैठक में लिया गया। डिविडेंड पाने के लिए रिकॉर्ड डेट 23 फरवरी 2026 तय की गई है। इस दिन तक शेयर रखने वाले निवेशक डिविडेंड के हकदार होंगे। कंपनी के तीसरी तिमाही के नतीजे पिछले साल की तुलना में कमजोर रहे। नेट प्रॉफिट 16.4 फीसदी गिरकर 311 करोड़ रुपये रह गया। रेवेन्यू 1,900 करोड़ रुपये से घटकर 1,375 करोड़ रुपये हो गया। ऐ बिटा में 41.1 फीसदी की गिरावट आई और यह 301.2 करोड़ रुपये पर पहुंचा। मार्जिन भी 26.9 फीसदी से घटकर 21.9 फीसदी हो गया। पीआई की स्थापना 1946 में हुई थी, भारत की प्रमुख एग्रीसाइंस कंपनियों में से एक है। कंपनी पेस्टिसाइड्स, कीटनाशक और फंगीसाइड्स बनाती है और इन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचती है।

अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीता

दोहा (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी अल्कराज ने खिताबी मुकाबल में फ्रांस के अर्थुर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। दोनो में ये मुकाबला केवल 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ का दबदबा रहा।

इस खिताबी जीत के साथ ही अल्काराज़ ने इस साल 2026 में लगातार 12 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब उनके टूर खिताबों की तादाद बढ़कर 26 पहुंच गयी है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक रुख अपनया जिसका फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास जवाब नहीं था। खिताब जीतने के बाद उत्साहित अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत अच्छी रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बनाये रखना चाहता हूं। अल्काराज की इस फॉर्म को देखते हुए तय है कि वह इस सत्र में आगे भी खिताब जीतकर नये रिकार्ड बनाएंगे।

धवन ने सोफी शाइन से की दूसरी शादी

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन दूसरी बार दूल्हा बने हैं। धवन ने आयरलैंड की सोफी शाइन के साथ दूसरी शादी रचाई। उनकी शादी में रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए। धवन ने अपनी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में भी साझा की हैं। इसके साथ ही उन्हें बधाइयां मिलने लगीं। अभिनेता रणवीर सिंह ने भी धवन के अलावा अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने इस जोड़े को बधाई दी है। रणवीर ने धवन को बधाई देते हुए लिखा, बधाई और भगवान का आशीर्वाद बना रहे भाई, । वहीं कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने लिखा, बधाई हो पाजी और भाभी जी, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने दिल वाली इमोजी बनाई। वहीं क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने भी दोनो को बधाई दी है। धवन जहां शेरवानी में वहीं सोफी खूबसूरत लहंगे में नजर आई। शादी की तस्वीरों में दोनो ही बेहद खुश दिखे। धवन और सोफी की सगाई जनवरी में हुई थी। इसके बाद से ही शादी की तैयारी चल रही थी। इनकी सगाई की तस्वीरों को भी प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था। ये दोनो ही पिछले काफी सयम से रिलेशनशिप में थे। धवन की पहली शादी ऑस्ट्रेलिया की आयेशा मुखर्जी से हुई थी जिनसे उन्हें एक बेटा जोरावर है। धवन और आयशा के बीच आठ साल के बाद तलाक हो गया था। उसके बाद से ही शिखर अकेले पड़ गये थे।

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराकर सुपर-8 का अपना पहला मुकाबला जीता

पल्लेकेले (एजेंसी)। फिल सॉल्ट के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के अच्छें प्रदर्शन से इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 के अपने पहले ही मुकाबले में शानदार दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 51 रनों से हरा दिया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन बनाये। इसक बाद मेजबान लंकाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.4 ओवर में 95 रनों पर ही आउट हो गयी।

मेजबान श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुआ। इंग्लैंड ने खराब शुरुआत के बाद फिल सॉल्ट की 40 गेंदों में 62 रनों की पारी से ठीक स्कोर बना लिया। सॉल्ट ने संयम और आक्रामकता के साथ खेलते हु पारी को संवारा। मध्य क्रम हालांकि टिक नहीं पाया। । श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने अच्छी गेंदबाजी कर इंग्लैंड के अन्य बल्लेबाजों को हावी होने का अवसर नहीं दिया। अंतिम ओवरों में टीम किसी प्रकार 150 के करीब पहुंच पायी।

जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहींरही। पावरप्ले के अंत तक आधी टीम 34 रनोंर पर ही सिमट गयी। जैक्स ने लगातार चार ओवर गेंदबाज़ी करते हुए 22 रन देकर तीन विके लिए। वहीं जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से दो अहम विकेट लिए, जबकि लियाम डॉसन और आदिल रशीद ने भी दबाव बनाये रखा। । कप्तान दासुन शनाका ने 30 रन बनाये पर वह टिक नहीं पाये। आदिल रशीद ने अंतिम विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी समेट दी।

किसी भी टीम को हल्के से ना लें, इससे आप लक्ष्य से भटक सकते हो : डैरेन सैमी

मुंबई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रविवार को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को आगाह किया कि वह जिम्बाब्वे को किसी भी तरह से कम करके आंकने की गलती नहीं करें क्योंकि इससे वह लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने इसके साथ ही कहा कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी और उनका मानना है कि इसी वजह से जिम्बाब्वे ने अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन किया और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, 'ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से।' उन्होंने कहा, 'हमारे सामने पिछले विश्व कप के दो फाइनलिस्ट हैं। अगर आपको जीतना है तो आपको अपने सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करना होगा। इसे हल्के में न लें, किसी को भी कम न समझें। अगर आप अन्य चीजों पर ध्यान देते हैं तो आप लक्ष्य से भटक सकते हैं।'

सैमी ने जिम्बाब्वे के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन के बारे में कहा कि उसे वरीयता नहीं मिली थी जिससे वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे ने वही किया जो उसे करना चाहिए था। अगर हमें वरीयता नहीं मिली होती या ऐसा कुछ होता और मैं देखता कि यह व्यक्ति (एक प्रतिद्वंद्वी) वहां खेलने जा रहा है तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती।' सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जिम्बाब्वे ने उस टीम को देखकर प्रेरणा और प्रोत्साहन हासिल किया होगा और उसी तरह से खेला होगा। लेकिन (टीमों को वरीयता देने के मामले में) मैं व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी समझता हूं। प्रशंसकों को आश्वासन देने की कोशिश करना जरूरी है।'

भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराकर दूसरी बार महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। तेजल हसनबिस के अर्धशतक से भारत ए टीम ने यहां खेले गये एशिया कप महिला राइजिंग स्टार्स के फाइनल में बांग्लादेश ए को 46 रनों से हराकर खिताब जीता है। भारत की ओर से तेजल ने 34 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाये। वहीं इसके बाद लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने भी 12 रन देकर तीन विकेट लिए।

इस मैच में भारत ए ने एक समय 44 रन पर 4 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद हसनबिस ने कप्तान राधा यादव के साथ पारी को संभाला। राधा ने 30 गेंदों पर 36 रन बनाये। इन दोनो के बीच पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी हुई। इससे भारत ए टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन तक पहुंची। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ए टीम टिक नहीं पायी और 19.1 ओवर में 88 रन पर ही आउट हो गयी। बांग्लादेश ए टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में ही 12 रन पर अपना पहला विकेट खो दिया। तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर ने इश्मा तंजीम को पेवेलियन भेजा। वहीं इसके बाद प्रेमा ने शमीमा सुल्ताना को आउट कर दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते चले गये।

पाकिस्तान को सेमीफानल में पहुंचने सुपर-8 के दोनो मैच जीतने होंगे

कोलंबो । आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले मुकाबले के बारिश के कारण रद्द होने के बाद ही दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिले हैं। ऐसे में अब दोनो ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनो ही मैच जीतने पूरी ताकत लगा देंगी। पाकिस्तान के आगे जाने की संभावनाएं अब बचे हुए मैचों के परिणामों पर आधारित रहेंगी। पाकिस्तान को अब अंतम चार में पहुचने न केवल देनो ही मैच जीतना होगा बल्कि ये भी देखना होगा कि उनका रन रेट बेहतर रहे। 24 फरवरी को पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से खेलना है और उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा। इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो किसी भी दिन मैच का पासा पलट सकती है। इसके बाद पाक को संयुक्त रुप से मैच का आयोजर कर रही श्रीलंका से 28 फरवरी को अपना अंतिम सुपर 8 मुकाबला खेलना होगा। अगर पाकिस्तान इंग्लैंड से हार जाता है, तो यह मैच उसे हार हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा। भी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़कर 56.25 फीसदी हो गयी है। वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका, जिन्हें अभी बड़े मैच खेलने हैं, उनकी जीत की संभावना घटकर 43.75 फीसदी पाक के पास अब अधिकतम 5 अंक तक पहुंचने का मौका है।

मेस्सी की मौजूदगी में MLS चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

लॉस एंजिलिस । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने MLS कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया। इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (LAFC) से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज़ ने गोल किए। बुआंगा ने मैच के बाद कहा, 'वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं। हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे। इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है।' इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिज़ियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे। दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेस्सी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया। मेस्सी ने इस महीने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद पूरा मैच खेला।

फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली । मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं। मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है। 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे। उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था। अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी। पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा। हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है।

अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करुंगा : अभिषेक

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्वकप में असफल रहे हैं। वह अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं। इसके बाद भी अभिषेक का कहना है कि वह आगे भी अपना खेलने का अंदाज नहीं बदलेंगे भले ही शून्य पर आउट हो जायें। भारतीय टीम अब लीग में जीतकर सुपर-8 में पहुंच गयी है। ऐसे में अभिषेक पर अब रन बनाने का दबाव है। अभिषेक वह पहली ही गेंद से आक्रामक खेलने का प्रयास करते हैं और इसी में कभी-कभी विकेट गंभव देते हैं। ग्रुप स्तर पर वह तीन पारियों में सिर्फ आठ गेंद ही खेल पाए। आंकड़े भी उनके खराब फॉर्म को दिखाते हैं। वह अपनी पिछली सात पारियों में पांच बार शून्य पर आउट हुए हैं. कुल मिलाकर, 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में से छह में वह बिना रन बनाए पवेलियन लौटे हैं। वहीं इससे उबरने अभिषेक लगातार ट्रेनिंग में मेहनत कर रहे हैं, जिससे अपना फार्म वापस पा सकें। उन्होंने अपने पर दबाव से इंकार करते हुए कहा 卐मैं बस अपनी बल्लेबाजी का मजा लेता हूं, मैंने दो साल पहले दबाव लेना बंद कर दिया क्योंकि मुझे समझ आ गया कि प्रक्रिया मेरे हाथ में है। अभ्यास और ट्रेनिंग मैं नियंत्रित कर सकता हूं, और उसी पर ध्यान देता हूं। मुझे यह पसंद है, इसलिए कोई दबाव नहीं है। 卐अभिषेक जानने है कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा समय आता है। इसलिए मौजूदा खराब दौर के बाद भी वह अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करेंगे क्योंकि इसी ने टी20 में उन्हें नंबर-1 बनाया है। इस बल्लेबाजन ने कहा ' करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव आते हैं। कभी रन बनते हैं, कभी नहीं. लेकिन मैंने तय किया है कि मैं अपने तरीके से ही खेलूंगा।'

रिटायरमेंट की अफवाहों पर फुल स्टॉप, आईपीएल 2026 में फिर दिखेगा 'कैप्टन कूल' का जलवा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। चेन्नई सुपर किंग्स के CEO कासी विश्वनाथन ने पुष्टि कर दी है कि दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एमएस धोनी आईपीएल 2026 में खेलते नजर आएंगे।

लगातार उठ रही रिटायरमेंट की अटकलों के बीच यह आधिकारिक बयान सामने आया है, जिससे साफ हो गया है कि धोनी एक और सीजन 'येलो जर्सी' में दिखाई देंगे। कासी विश्वनाथन ने स्पष्ट कहा, 'एमएस धोनी आईपीएल 2026 सीजन के लिए उपलब्ध हैं।'

सीएसके के साथ धोनी की विरासत

धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स के साथ सफर ऐतिहासिक रहा है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल खिताब जीते। 44 वर्ष की उम्र में भी उनका खेल और फिटनेस फैंस को चौंकाते रहे हैं।

2008 से अब तक धोनी सीएसके के स्तंभ रहे हैं। उन्होंने 272 मैचों में 5314 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 84 रन रहा।

कप्तानी का लंबा सफर

धोनी ने 244 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें 145 जीत दर्ज कीं। उनका जीत प्रतिशत 59.42 रहा है।

2022 में कप्तानी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई थी, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के बाद धोनी को बीच सीजन में दोबारा जिम्मेदारी संभालनी पड़ी। 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया। 2025 में गायकवाड़ के चोटिल होने पर धोनी ने फिर टीम की कमान संभाली, हालांकि वह सीजन टीम के लिए कठिन रहा।

2026 के लिए रिटेंशन और बड़े बदलाव

आईपीएल 2026 के लिए धोनी को 4 करोड़ रुपये में अनकैप्ड प्लेयर नियम के तहत रिटेन किया गया है। उनके साथ रिटेन खिलाड़ियों में ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस और नूर अहमद शामिल हैं।

बड़े बदलाव के तहत रवींद्र जडेजा और सैम करन को राजस्थान रॉयल्स में ट्रेड किया गया है। वहीं चेन्नई ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आईपीएल 2026 के लिए सीएसके की पूरी टीम

कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, उर्विल पटेल, नूर अहमद, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, गुरजपनीत सिंह और अंशुल कंबोज।

पांड्या ने बेटे अगस्त्या को उपहार में दी करोड़ों की एसयूवी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी महंगी जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह हमेशा महंगी घडियां पहने दिखते हैं। इसी कड़ी में अब हार्दिक ने अपने पांच साल के बेटे अगस्त्या को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दी है। पांड्या का सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टैनकोविक से तलाक हो गया है पर बेटे का ध्यान दोनो ही मिलकर रहते हैं। अगस्त्या की कस्टडी हालांकि नताशा को मिली है पर हार्दिक उनसे मिलते रहते हैं। इतने छोटे से बेटे को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दिये जाने से लोग हैरान दी क्योंकि उनके बेटे की उम्र अभी खिलौनों से खेलने की है। सोशल मीडिया पर हार्दिक के अपने बेटे अगस्त्या और पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक को दिए गए उपहार की तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें हार्दिक का बेटा और नताशा लैंड रोवर डिफेंडर कार लेते दिख रहे हैं। तस्वीर में वेलकम नोट पर साफ-साफ लिखा हुआ है पापा टू अगस्त्या।

आज कनाडा, अमेरिका सहित कई देशों से खेल रहे भारतीय मूल के खिलाड़ी : प्रधानमंत्री मोदी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में विदेशी टीमों से खेलते हुए नाम देश का नाम रौशन कर रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज टी20 विश्वकप क्रिकेट को ही देख लें। इसमें खेल रहे दुनिया भर के कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जो वहां की टीमों से खेलते हुए दोनो देशों का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कनाडा से खेल रहे दिलप्रीत बाजवा, अमेरिका से खेल रहे मोनांक पटेल सहित कई खिलाड़ियों का नाम लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेले वो खिले, खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 विश्व कप के मैच देख रहे होंगे। इस दौरान किसी भारतीय को दूसरे देश की जर्सी पहने भी आपने देखा होगा। उसका नाम सुनकर आपकों लगता है कि ये तो अपने देश का है, तब दिल में खुशी भी होती है कि भारत से बाहर जाकर भी वह वह उस देश की ओर से खेलता है, जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं और पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही कहा, कनाडा की टीम क ही देख लें, इसमें सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस सूची में हर्ष ठाकर और श्रेयस मोआ जैसे कई खिलाड़ी शामिल हैं, जो कनाडा के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम में शामिल कई खिलाड़ी भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल ने गुजरात की ओर से खेला हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, और दिल्ली के मिलिंद कुमार अमेरिकी टीम से खेल रहे हैं।

इसके अलावा ओमान की टीम में भी कई भारतीय हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों से खेले हैं। जतिंद्र सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय और आशीष जैसे खिलाड़ी ओमान क्रिकेट टीम से खेलते हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, यूएई और इटली की टीमों में भी भारतीय मूल के कई खिलाड़ी हैं। ये भारतीय देश से बाहर जाने के बाद भी देश का गौरव बढ़ा रहे हैं और वहां के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीयता की यही तो विशेषता है, वह जहां भी जायें, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। इसी के साथ ही वह जिस देश में रहते हैं, वहां के विकास के लिए सहयोग में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

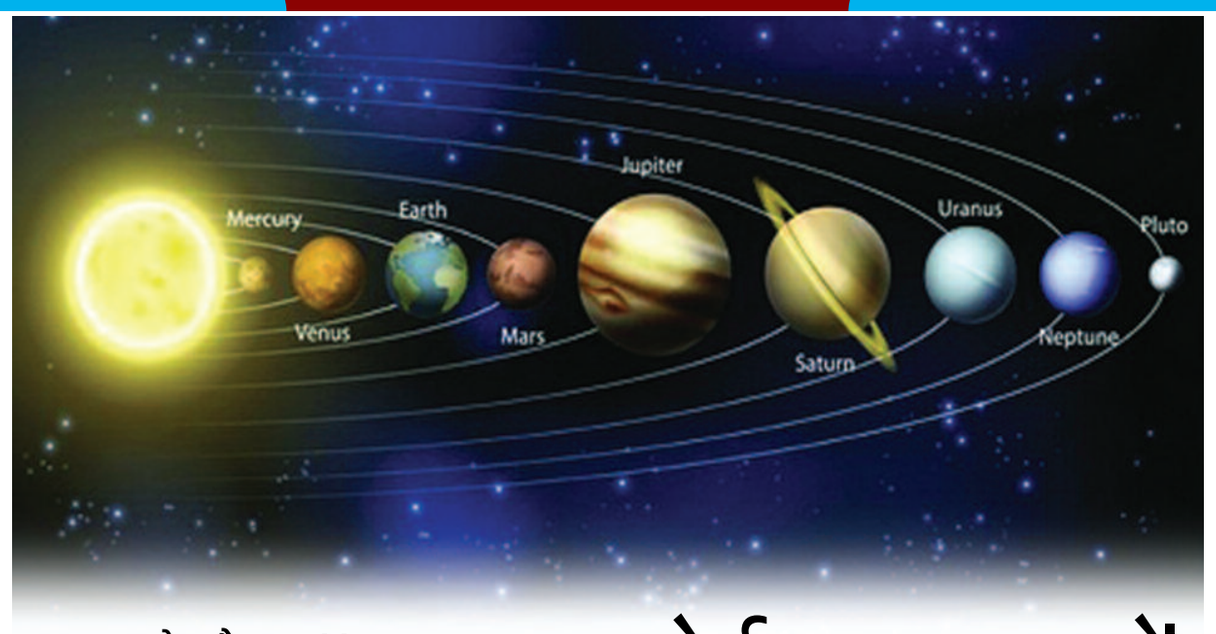

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

धर्म शास्त्रों में भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। सूर्य उपासना से न केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यश भी बढ़ता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

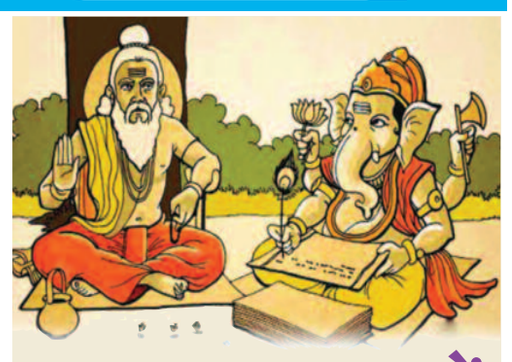

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए।'

बतौर अभिनेता अपने हर किरदार में गहराई और सच्चाई दिखानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी की इस बात को सुनकर उनके दर्शक सहज ही कल्पना कर सकते हैं कि जब वे उनके क्रिकेट आइडल की भूमिका निभाएंगे तो वह कितना शानदार होगा। यही वजह है कि अब सिद्धांत के साथ उनके फैंस भी ये मैनिफेस्ट कर रहे हैं कि सिद्धांत जल्द से जल्द युवराज सिंह की भूमिका में नजर आएं क्योंकि युवराज सिंह की भूमिका वही कलाकार निभा सकता है, जिसमें स्टार प्रेजेंस के साथ-साथ भावनात्मक संवेदनशीलता भी हो और इस कसौटी पर सिद्धांत पूरी तरह खरे उतरते हैं। वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नजर आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं। फिलहाल अपने करियर में वास्तविक जीवन से जुड़ी, विरासत-प्रधान कहानियों के प्रति अपने जुड़ाव को सिद्धांत जिस खूबसूरती से मजबूत करते जा रहे हैं, इससे ये विश्वास और पक्का हो जाता है कि अगर कभी युवराज सिंह की बायोपिक बनी, तो उसके लिए सिद्धांत चतुर्वेदी एकदम परफेक्ट कलाकार होंगे।

राजकुमार राव के समर्थन में उतरीं पत्नी पत्रलेखा; आलोचकों को दिया जवाब

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव को उनके बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने उन्हें बूढ़ा तक कह डाला था। इसके बाद बीते दिन राजकुमार राव ने आलोचकों को जवाब देते हुए वजन बढ़ाने का कारण भी बताया था। अब अभिनेता की पत्नी व एक्ट्रेस पत्रलेखा ने राजकुमार राव का सपोर्ट किया है। साथ ही उन्होंने ट्रोलर्स पर भी निशाना साधा है।

पत्रलेखा ने राजकुमार राव की एक पोस्ट को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए अभिनेता का सपोर्ट किया है। राजकुमार राव पर गर्व जताते हुए पत्रलेखा ने स्टोरी पर अपने नोट में लिखा, 'आप पर बहुत गर्व है। आप हर फिल्म प्रोजेक्ट के लिए अपना सब कुछ देते हैं। दुनिया उस प्रोसेस और मेहनत को नहीं देखती, जो एक एक्टर के किरदार को बनाने में लगाता है। आखिरी नतीजा हमेशा आसान दिखता है। नजर आने वाले सारे फेम और ग्लैमर के पीछे, एक एक्टर की जिंदगी खून, पसीने, आंसुओं और पर्सनल लाइफ के त्याग से भरी होती है।'

'निकम' फिल्म के लिए राजकुमार ने बढ़ाया वजन

हाल ही में राजकुमार राव एक इवेंट में शामिल हुए थे। जहां उनके बदले हुए लुक को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल किया था और बूढ़ा बता दिया था। इसके बाद राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'निकम' के लिए 9-10 किलो वजन बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने काफी मेहनत की। एक्टर ने पोस्ट में ये भी बताया था कि उन्हें प्रोस्थेटिक मेकप पसंद नहीं है, इसलिए जहां तक संभव होता है वो अपने शरीर पर मेहनत करते हैं। पोस्ट में राजकुमार राव ने अपनी उन पिछली फिल्मों का भी जिक्र किया, जिनके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया।

नेटफ्लिक्स की फिल्म में नजर आएंगे राजकुमार राव

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मालिक' में नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'टोस्टर' शामिल है। इसमें उनके साथ सान्या मल्होत्रा और अभिषेक बनर्जी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में दो बायोपिक 'निकम' और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक भी शामिल हैं।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाई और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही हैं। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बना रहे हैं विवेक अग्निहोत्री?

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया। प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया।

अब लेखिका बनीं अभिनेत्री आयशा शर्मा

अभिनेत्री आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं—एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन—तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

अक्षय कुमार ने जमकर की आरजे महवश की खिंचाई

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' शो का लेटेस्ट एपिसोड काफी मजेदार होने वाला है। इस खास एपिसोड में 100 कंटेंट क्रिएटर्स नजर आएंगे, जिनमें आरजे महवश भी शामिल हैं। हाल ही में जारी प्रोमो में अक्षय कुमार, आरजे महवश की दरअसल, महवश पजल को स्क्रीन पर आने से पहले ही सॉल्व करने की कोशिश कर रही थीं। इसे देखकर अक्षय ने मजाक में कहा, 'किसी का बाप नहीं सॉल्व कर सकता... जो सॉल्व कर देगा उसे मैं 1 करोड़ दूंगा...1 करोड़ छोड़ो, अपनी किडनी भी दे दूंगा।' अक्षय की इस बात पर महवश और वहां मौजूद दर्शकों की हंसी झूट गई। महवश ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'इस दिन मेरे साथ जितना गलत हो सकता था, सब हुआ।

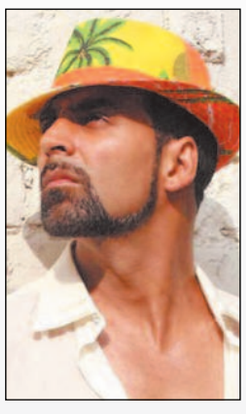

शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के बारे में

मजेदार बातचीत और अक्षय कुमार के मजाकिया अंदाज ने इस एपिसोड को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। अक्षय कुमार का गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी चैनल पर प्रसारित होता है। इसके अलावा इसे सोनी लिव ऐप पर भी स्ट्रीम किया जा सकता है। शो में प्रतियोगियों को वर्ड पजल्स सॉल्व करने होते हैं और इसके बदले में उन्हें कैश प्राइज जीतने का मौका मिलता है।

सनी लियोनी ने बताया कैसे की 'कैनेडी' की तैयारी

सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है। इस बीच बातचीत के दौरान सनी लियोनी ने इस फिल्म, अपने पंद्रह साल के सफर और अपनी बायोग्राफी पर भी चर्चा की।

फिल्म में आपने चार्ली का किरदार निभाया है। कैसा अनुभव रहा?

जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है। चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थीं। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझते और कुछ नया खोजते थे।

फिल्म का कौन सा अनुभव सबसे खास रहा?

अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे हैं। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर इतने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे। सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती।

क्या अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है?

अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं। पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति हैं। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है। हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है।

जब इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिली तो पहला रिएक्शन क्या था?

उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है। सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा क्या है? अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं?

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताए देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिसमें मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी। 15 वर्ष हो चुके हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस मुकाम पर हूं। मेरे जीवन में ऐसे लोग हैं जो हर कदम पर मुझे ऊपर उठाते हैं और आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर लगाएगी बैन

-सीएम सिद्धारमैया ने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से मांगी राय

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल फोन इस्तेमाल पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। राज्य के सीएम सिद्धारमैया ने इस विषय पर सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से राय मांगी है। सरकार का ये कदम छात्रों में बढ़ती सोशल मीडिया की लत और नशीली दवाओं के संपर्क में आने के खतरों को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। सीएम ने ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य देशों के उदाहरण देते हुए छात्रों के व्यवहार, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल के प्रभाव को लेकर गहरी चिंता जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सिद्धारमैया ने सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में इस विषय पर राय मांगी है। सीएम ने बैठक में जोर देकर कहा कि आज हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि बच्चे आज सोशल मीडिया के प्रति जुनूनी हो रहे हैं जो उनके भविष्य

के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कुलपतियों से चर्चा करते हुए कहा कि मोबाइल के जरिए बच्चे नशीली दवाओं के शिकार भी हो रहे हैं। सरकार का मानना है कि मोबाइल फोन के अनियंत्रित इस्तेमाल से छात्रों की शिक्षा और उनके आचरण पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए ही नाबालिग छात्रों के लिए कैंपस में मोबाइल बैन करने पर विचार किया जा रहा है।

बैठक में सीएम ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देश पहले ही छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर बैन लगा चुके हैं। इसी तर्ज पर कर्नाटक सरकार भी नाबालिग छात्रों को मोबाइल से दूर रखकर उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुरक्षित करना चाहती है। सीएम ने साफ किया कि चूंकि कुलपति शिक्षा के क्षेत्र में गहरी समझ रखते हैं, इसलिए उनकी राय इस नीति को लागू करने में अहम भूमिका निभाएगी। सरकार अब इन विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है, ताकि अंतिम फैसला लिया जा सके।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुए भाजपा विधायक चंद्रू लमानी, अब राजनीति में मचा हड़कंप

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त पुलिस ने शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को गिरफ्तार कर लिया है। विधायक के साथ उनके दो सहायकों, मंजुनाथ वाल्मीकि और गुरुनायक को भी हिरासत में लिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सिंचाई परियोजना से जुड़े एक रिश्वत मामले में जाल बिछाकर की गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब गदग जिले के चिंचली निवासी प्रथम श्रेणी ठेकेदार विजय पुजारी ने लोकायुक्त में आधिकारिक

शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, लघु सिंचाई विभाग के अंतर्गत सड़क के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) के निर्माण कार्य को सुचारू रूप से चलाने और बकाया बिलों के भुगतान की सुविधा के बदले विधायक द्वारा कथित तौर पर 11 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। लोकायुक्त अधिकारियों ने इस शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और उस समय दबिश दी जब विधायक और उनके सहायकों ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये स्वीकार किए। पुलिस ने मौके से ही तीनों को हिरासत में लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद कर्नाटक की सियासत में जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विपक्षी दल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विधायक को रंगे हाथों पकड़ा गया है और अब विरोधियों को जवाब देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार जांच में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी और लोकायुक्त को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दिया जाएगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी व्यंग्यात्मक लहजे में कटाक्ष करते हुए विपक्ष की ईमानदारी पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, भाजपा ने इस कार्रवाई पर रक्षात्मक रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि वे तथ्यों की विस्तृत पुष्टि के बाद ही आधिकारिक बयान देंगे, हालांकि पार्टी प्रवक्ताओं ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल जानबूझकर विपक्ष के नेताओं को निशाना बना रहा है। विधायक चंद्रू लमानी की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही गदग में उनके समर्थकों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया। समर्थकों ने इस कार्रवाई को एक गहरी राजनीतिक साजिश करार देते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

राजस्थान में अंतिम मतदाता सूची जारी, कुल 5.15 करोड़ मतदाता दर्ज

जयपुर। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 27 अक्टूबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक चला। शनिवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई, जिसमें कुल 5,15,19,929 मतदाता शामिल हैं। सभी 199 विधानसभा सीटों के लिए नाम सुनिश्चित किए गए हैं। मसौदा सूची और अंतिम सूची के बीच 10,48,605 (2.08त्न) की शुद्ध वृद्धि हुई। पुरुष मतदाता 2,69,57,881 और महिला 2,45,61,486 हैं। समीक्षा अवधि में लिंगानुपात 909 से बढ़कर 911 हुआ। 18-19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या में 4,35,061 का इजाफा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

मध्यप्रदेश के सात जिलों में बारिश का अलर्ट, राजस्थान में पारा 30 डिग्री के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी और मैदानी राज्यों में मौसम में बदलाव हो रहा है। मध्य प्रदेश में फरवरी के महीने में चौथी बार बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ की सक्रिय की वजह से मौसम बदला है। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के मंडला, डिंडौरी समेत सात जिलों में पानी गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में 15 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। राजस्थान में मौसम में दोबारा बदलाव आया है। सुबह-शाम की सर्दी कम हो गई है। शनिवार को 10 से ज्यादा शहरों का अधिकतम टेम्परेचर 30डिग्री सेल्सियस और उससे ज्यादा रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में अगले 7 दिन बारिश की संभावना नहीं है, आसमान खुला रहेगा। इसके कारण तापमान में 2 से 3डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं जम्मू-कश्मीर में फरवरी का सबसे गर्म दिन 21 फरवरी को रहा। यहां दिन का तापमान 21डिग्री दर्ज किया गया। जो सामान्य से 10 डिग्री ज्यादा है। इससे पहले 24 फरवरी 2016 को 20.6 डिग्री रहा था।

उत्तराखंड के हिमालयी इलाकों में टेम्परेचर 0 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां टेम्परेचर माइनस 240डिग्री रहा। गंगोत्री में -22, बद्रीनाथ में -19, हेमकुंड साहिब में -18 और हर्षिल में -17डिग्री रहा। राज्य में कहीं भी बर्फबारी का अलर्ट नहीं है। 23-24 फरवरी को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई इलाकों में बर्फबारी की संभावना है।

कांग्रेस से निष्कासित नवजोत कौर बनाएगी नई पार्टी, एक साल पति सिद्धू रहेंगे राजनीति से दूर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस से निष्कासित पंजाब की डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने कहा है कि उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू अगले एक साल तक सक्रिय राजनीति से दूर रहेंगे। सिद्धू 6 निजी कंपनियों के साथ करार कर चुके हैं, जिसके चलते वे किसी भी राजनीतिक गतिविधि में भाग नहीं लेंगे। नवजोत कौर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि यह फैसला पूरी तरह पेशेवर प्रतिबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सिद्धू आगामी एक साल तक अपने नए प्रोजेक्ट्स और कार्पोरेट एंगेजमैंट्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इस घोषणा के बाद पंजाब की राजनीति में हलचल मच गई है। नवजोत कौर ने कहा कि वे जल्द ही अपनी नई राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगी। पार्टी का आधिकारिक कार्यालय भी शीघ्र खोला जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोस्ट में डॉ.

नवजोत कौर सिद्धू ने कई कांग्रेसी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि पंजाब की राजनीति में भ्रष्टाचार और अवसरवादी राजनीति ने जनता का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी नई पार्टी आम लोगों की आवाज बनेगी और राज्य को भ्रष्टाचार और गलत राजनीतिक प्रथाओं से बचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। इस पूरे घटनाक्रम ने कांग्रेस के अंदर भी चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

कांग्रेस से निष?कासित होने के बाद से नवजोत कौर लगातार पार्टी पर हमलावर हैं। एक दिन पहले ही उन्होंने पंजाब कांग्रेस के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने पोस्ट के जरिये राजा वड़िंग से पूछा था कि उन्होंने 100 एकड़ जमीन कैसे खरीदी? साथ ही राजस?थान से जुड़े पंजाब के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के साथ? मिलकर 2400 करोड़ रुपए का घोटाला करने का भी आरोप लगाया है। नवजोत कौर ने राजा वड़िंग को चेतावनी देते हुए कहा था कि अब वे कोर्ट में जवाब देने और जेल जाने के लिए तैयार रहें। वहीं नवजोत कौर के इन आरोपों पर वडिंग ने कहा था कि जिन लोगों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होती, उनके बयानों पर रोज प्रतिक्रिया देना उचित नहीं।

अगर 6.5 तीव्रता का भूकंप आया तो कानपुर, प्रयागराज में हो सकता है भारी नुकसान

-आईआईटी कानपुर की रिसर्च से खुलासा, गंगा किनारे और निचले इलाकों में खतरा ज्यादा

कानपुर (एजेंसी)। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर निहार रंजन पात्रा की अगुवाई में की गई रिसर्च में कहा गया है कि अगर 6.5 या उससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप कानपुर, प्रयागराज में आता है, तो इन शहरों में भारी नुकसान हो सकता है। खासकर गंगा किनारे और निचले इलाकों में खतरा ज्यादा है। रिसर्च के मुताबिक यहां की जमीन कई जगहों पर ढीली और रेतीली है। ऐसी मिट्टी भूकंप के दौरान ज्यादा हिलती है और झटकों का असर बढ़ा देती है। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने पहले से तैयारी करने पर जोर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर निहार रंजन पात्रा को साल 2008 में इस विषय पर रिसर्च के लिए प्रोजेक्ट मिला था। इसके बाद उनकी टीम ने कई साल तक कानपुर और आसपास के इलाकों में सर्वे किया। मिट्टी के नमूने

जुटाए गए और उनकी गहराई से जांच की गई। अध्ययन में जमीन की अलग-अलग परतों और उनके व्यवहार को समझा। कंप्यूटर मॉडल की मदद से यह अनुमान लगाया गया कि अगर बड़ा भूकंप आता है तो किस इलाके में कितना असर पड़ सकता है। इस पूरी रिसर्च के बाद अब साफ संकेत मिल रहे हैं कि कुछ इलाके ज्यादा संवेदनशील हैं।

रिसर्च में सामने आया कि कई जगहों पर ÷लिक्विफैक्शन÷ का खतरा है। इसका मतलब यह है कि भूकंप के तेज झटकों के दौरान ठोस जमीन दलदल जैसी हो सकती है। ऐसी स्थिति में इमारतों की नींव कमजोर हो जाती है। बड़े-बड़े भवन झुक सकते हैं और पुराने मकान गिर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने करीब 20 अलग-अलग जगहों से मिट्टी के सैंपल लिए। जांच में पाया गया कि गंगा किनारे के इलाके, पुराने मोहल्ले और ज्यादा आबादी वाले क्षेत्र ज्यादा जोखिम भरे हैं। अगर 6.5 या उससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप आता है, तो सड़कें फट सकती हैं, जमीन में दरारें पड़ सकती हैं और कई इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

रिपोर्ट के बाद विशेषज्ञों ने साफ कहा है कि अब लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। नई इमारतें बनाते समय भूकंपरोधी डिजाइन का सख्ती से पालन किया जाए। पुराने भवनों की जांच कर उन्हें मजबूत बनाया जाए। स्कूल, अस्पताल और सरकारी दफ्तरों को प्राथमिकता पर सुरक्षित किया जाए, साथ ही आम लोगों को भी जागरूक होना होगा। भूकंप आने पर क्या करना है और क्या नहीं, इसकी जानकारी हर घर तक पहुंचनी चाहिए। प्रशासन को भी आपदा प्रबंधन की तैयारियां मजबूत करनी होंगी, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत राहत और बचाव का काम शुरू हो सके।

सपा को ऑफिस में चक्कर काटने और चेहरा चमकाने में लगे रहने वालों की जरूरत नहीं!

-अखिलेश ने मिशन 2027 को लेकर बनाई गुप्त रणनीति, तैयार कर रहे नेताओं का लेखा-जोखा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में मिशन 2027 को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक दल चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गोपनीय तैयारी शुरू कर दी है, जिसके तहत एक ख़ास लिस्ट तैयार की जा रही है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों को लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा। अखिलेश ने एक ऐसी लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं जिनमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल करने को कहा गया है जो अक्सर पार्टी दफ्तर में घूमते या टहलते नजर आते हैं और अपना ज़्यादातर समय सपा ऑफिस में चक्कर काटने या फिर केवल चेहरा चमकाने में लगे रहते हैं बजाय इसके वो जमीनी स्तर पर सपा को मजबूत करने का काम करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा ने ऐसे नेताओं का लेखा-जोखा बनाया है, जिसमें इन नेताओं की फोटो और फोन नंबर के साथ ये जानकारी भी दर्ज की गई है कि कौन सा कार्यकर्ता कितनी बार पार्टी के ऑफिस में आया, उसने कितनी बार हाथ मिलाया और वो जमीन स्तर पर किस तरह काम कर रहा है ताकि आगामी चुनाव में ऐसे नेता को ही टिकट मिल सके जो जमीन पर लोगों के बीच रहकर पार्टी को मजबूत कर रहा है।

इस रणनीति को गणेश परिक्रमा रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश साफ तौर पर इस डेटा के आधार पर फील्ड और ऑफिस के अंतर को देखना चाहते है ताकि चुनाव में किसी ऐसे नेता को टिकट ना मिले जो सिर्फ पार्टी के मुखिया के सामने चेहरा चमकाने के लिए ऑफिस में ही घूम रहे हैं। इस सूची के जरिए ऐसे नेताओं की छंटनी कर दी जाएगी तो अपना समय बेवजह के कामों में बिता रहे हैं, जिससे साफ है कि अखिलेश इस बार उम्मीदवारों के चयन को लेकर कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं हैं। चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सबका साथ से ज्यादा सबके काम और कमिटमेंट के साथ काम कर रहे हैं।

6 राज्यों में पूरा हुआ एसआईआर का काम, गुजरात में सबसे अधिक 68 लाख नाम काटे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किए गए हैं, जिसके तहत लाखों की संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आयोग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित करना और फर्जी या दोहरे मतदान की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त करना है। इस विशेष अभियान के बाद जारी आंकड़े बताते हैं कि मतदाता सूचियों से अपात्र नामों को हटाने के बाद कई राज्यों की कुल मतदाता संख्या में बड़ी कमी आई है।

पुनरीक्षण के इन आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाली गिरावट गुजरात में देखी गई है, जहां निर्वाचन आयोग ने कुल 68,12,711 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए हैं। इस प्रक्रिया से पहले गुजरात में कुल मतदाताओं की संख्या 5,08,43,436 थी, जो अब घटकर 4,40,30,725 रह गई है। यह राज्य की कुल मतदाता संख्या में 13.40 प्रतिशत की भारी गिरावट को दर्शाता है। गुजरात के बाद मध्य प्रदेश में भी मतदाता सूची में बड़ी शुद्धि की गई है, जहां 34,25,078 नाम हटाए गए। इसके परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5,74,06,143 से कम होकर अब 5,39,81,065 (-5.97 प्रतिशत) पर आ गई है। इसी तरह राजस्थान में 31,36,286 नाम काटे गए, जिससे वहां मतदाताओं की संख्या 5.46 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई है।

अन्य राज्यों की बात करें तो छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची 2,12,30,737 से घटकर 1,87,30,914 रह गई है, यहाँ कुल 24,99,823 नामों की कटौती हुई है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल में सूची से 8,97,211 नाम हटाए गए हैं, जिसके बाद अब वहां कुल मतदाताओं की संख्या 2,69,53,644 है। गोवा में भी मतदाताओं की संख्या में 1,27,468 की गिरावट दर्ज की गई है। केंद्र शासित प्रदेशों में भी इसी तरह की सक्रियता देखी गई। पुडुचेरी में 77,367, अंडमान और निकोबार में 52,364 जबकि लक्षद्वीप में सबसे कम केवल 206 नामों में बदलाव हुआ है। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े नेट चेंज को दर्शाते हैं, जिसमें हटाए गए अपात्र नामों में से नए जुड़े पात्र मतदाताओं की संख्या को घटाया गया है। नाम हटाने के प्राथमिक कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण और अन्य पात्रता संबंधी मुद्दे शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह अभ्यास 12 राज्यों में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है। पहले चरण के सफल समापन के बाद अब सबकी नजरें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु पर टिकी हैं। इन तीन बड़े राज्यों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण का डेटा इस महीने के अंत तक जारी होने की संभावना है। आयोग ने इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को प्रारंभिक तैयारियां तेज

करने के निर्देश दिए हैं। एसआईआर प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल में शुरू होगा, जो मतदाता सत्यापन के देशव्यापी अभियान को आगे बढ़ाएगा। फिलहाल राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गोवा और अंडमान-निकोबार के लिए अंतिम मतदाता सूचियां आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दी गई हैं, जो भविष्य के चुनावों के लिए आधार बनेंगी।

शरद पवार की फिर बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में किया भर्ती, डॉक्टर कर रहे निगरानी

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के संस्थापक शरद पवार को रविवार को फिर पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले कुछ दिनों से उनकी सेहत में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। उनकी बेटी और बारामती की सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक शरद पवार पिछले कुछ दिनों से खांसी और गले के संक्रमण से जूझ रहे थे। शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वे अपने आवास पर थे, लेकिन रविवार सुबह उन्हें अत्यधिक कमजोरी और शरीर में पानी की कमी महसूस हुई। डॉक्टरों की सलाह पर परिवार ने उन्हें तुरंत जांच और चिकित्सकीय देखरेख के लिए अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय लिया। सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा- हम बाबा को फॉलो-अप टेस्ट और हाइड्रेशन के लिए पुणे के अस्पताल में भर्ती कर रहे हैं। हम सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 85 साल के शरद पवार को पिछले हफ्ते भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें सांस लेने में कठिनाई और सीने में संक्रमण की शिकायत थी। डॉक्टरों ने उन्हें एंटीबायोटिक्स का पांच दिनों का कोर्स दिया और शनिवार को ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें 3-4 दिन पूर्ण विश्राम की सलाह दी थी, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार न होने के कारण उन्हें दोबारा भर्ती करना पड़ा। बता दें हाल ही में पवार परिवार पर आए दुखों के पहाड़ ने भी वरिष्ठ नेता के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है। जनवरी के अंत में एक विमान हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और उनके भतीजे अजित पवार के असामयिक निधन के बाद से शरद पवार बारामती में परिवार को संभालने में व्यस्त थे। इस दौरान हुई भागदौड़ और मानसिक तनाव ने उनकी सेहत पर प्रतिकूल असर डाला है। डॉक्टरों के मुताबिक शरद पवार की स्थिति फिलहाल स्थिर है। उनके महत्वपूर्ण अंगों की स्थिति सामान्य है, लेकिन उम्र और संक्रमण को देखते हुए उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है।

भारतीय तटरक्षक बल की बड़ी कार्रवाई : अरब सागर में 5 करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त, 4 ईरानी गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। अरब सागर में घुसपैठ और तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारतीय तटरक्षक बल ने एक विशेष अभियान के दौरान विदेशी ब्रांड की सिगरेट से भरी संदिग्ध नाव को पकड़ा है। इस कार्रवाई में 4 ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवभूमि द्वारका से करीब 115 किलोमीटर दूर भारतीय समुद्री सीमा के फॉरवर्ड एरिया में नियमित गश्त के दौरान तटरक्षक बल की टीम को एक संदिग्ध नाव दिखाई दी। शक होने पर जब नाव को रोका गया और तलाशी ली गई तो पता चला कि अल मुख्तार नाम की यह नाव विदेशी सामान की तस्करी में लिप्त थी। जांच के दौरान नाव से विदेशी ब्रांड की सिगरेट के करीब 200 बड़े कार्टन बरामद किए गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की अनुमानित कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान नाव पर सवार 4 ईरानी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। उनके पास से प्रतिबंधित थुराया सैटेलाइट फोन और 8 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी ईरानी नागरिकों और जब्त नाव को आगे की जांच के लिए पोरबंदर जेट्टी लाया गया है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस तस्करी के पीछे सक्रिय बड़े नेटवर्क की जांच में जुट गई हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि सिगरेट की यह खेप गुजरात या किसी अन्य राज्य के तट पर उतारने की योजना थी।

किश्तवाड़ में जैश के 2 आतंकी ढेर, सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने को ब्लास्ट किया

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारियों ने 2 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

34 साइबर ठग अरेस्ट, 45 फरार

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के 'मिनी जामताड़ा' में साइबर ठगों को पकड़ने के लिए एक बार फिर 240 से अधिक पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की। 20 से अधिक गाडियों से पुलिसकर्मियों के साथ एसपी पहुंचे और दो टीमें बनाकर दो गांवों में रेड किए। पुलिस टीम को देखते ही गांव में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ खेतों में छिप गए। पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा। घरों की तलाशी ली गई। रविवार सुबह पुलिस ने विशंभरा और झंझावली गांव में रेड किए। करीब 5 घंटे तक चली कार्रवाई में पुलिस ने 34 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सुरेश चंद्र रावत के अनुसार, पुलिस को देखने के बाद 45 लोग फरार हो गए। 5 गाडियां भी जब्त की गई हैं। दरअसल, मथुरा के बॉर्डर क्षेत्र के करीब करीब 8-10 गांव ऐसे हैं जो साइबर ठगी का गढ़ माना जाता है। यहां साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क है जोकि देश-विदेशों में ठगी का अंजाम देता है।

दबंगों ने दलित परिवार का छप्पर फूंका

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में दबंगों ने दलित परिवार के घर के बाहर छप्पर में आग लगा दी। खौफ पैदा करने के लिए चार राउंड हवाई फायरिंग की। दरअसल, ट्रैक्टर निकालने के दौरान छप्पर टूट गया। इस पर दलित परिवार ने आपत्ति की। आरोप है कि कहासुनी के बाद दबंगों ने लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर छप्पर में आग लगा दी। घटना कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र के मढ़ापुर गांव की है। इस मारपीट में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे दो पड़ोसी भी चोटिल हुए। जानकारी मिलने के बाद विधायक सरोज कुरील ने अस्साल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)